डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
27 अप्रैल 2026
सोमवार

आज का मौसम
43.0 अधिकतम
26.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

आधी हकीकत, आधा फसाना... सुरक्षा, सियासत और सहानुभूति की तलाश

समाचार विश्लेषण
राजेश सिरोठिया

दुनिया के सबसे ताकतवर लोकतंत्र में जब सुरक्षा चूक होती है, तो सवाल सिर्फ कैसे का नहीं होता, क्यों का भी होता है। ताजा घटना के बाद अमेरिका एक बार फिर उसी मोड़ पर खड़ा है, जहां इतिहास, सुरक्षा और राजनीति एक-दूसरे में उलझते नजर आते हैं। इतिहास हमें बार-बार चेतावनी देता है। अब्राहम लिंकन की 1865 और जॉन एफ केनेडी की 1963 में हत्या राजनीतिक साजिश का नतीजा थीं। फिर मार्च 1981 में रोनाल्ड रीगन पर हमला, जिसे लोन वुल्फ कहा गया। आम समझ की भाषा में कहें तो किसी सनक या फितूर पर सवार शख्स का ऐसा फ़ैसला जो बेवजह की सनसनी का सबब बन जाए। रोनाल्ड रीगन और उनके काफिले का हमलावर मानसिक तौर पर असंतुलित पाया गया था। ताजा हमले की कोशिश को अंजाम देने वाला थॉमस एलन भी लोन वुल्फ ही दिख रहा है। 25 अप्रैल की रात या भारतीय समय के मुताबिक 26 अप्रैल की अल सुबह सामने आई घटना की जो वजह बताई जा रही है उसके मुताबिक हमलावर एलन भी कोई पेशेवर अपराधी नहीं। मैकेनिकल इंजीनियर है। वह कैथोलिक अश्वेत पिता और श्वेत मां का बेटा है। वह ट्रम्प और उनकी टीम के साथियों के लंपट मिजाज से नाखुश था। उसे ट्रम्प की धुर विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रति सहानुभूति रखने वाला बताया जा रहा है।

इसी बात से कहानी आगे बढ़ रही है जो इसकी इस एक और परत से जुड़ती है। वह है मामले की राजनीतिक प्रस्तुति। ताजा घटना के बाद डोनाल्ड ट्रम्प जिस तरह से पूरे घटनाक्रम को सार्वजनिक मंचों पर प्रस्तुत कर रहे हैं, वह खुद एक विश्लेषण का विषय बन गया है। उनके बयान, उनकी आक्रामक और भावनात्मक टोन, और खुद को टारगेट के रूप में पेश करने का तरीका। यह केवल स्वाभाविक प्रतिक्रिया है, या एक सोची-समझी राजनीतिक रणनीति? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि उनके दूसरे कार्यकाल के पिछले महीनों में, अमेरिकी जनता का एक वर्ग उनकी नीतियों और फैसलों से असंतुष्ट रहा है। ऐसे में कोई भी बड़ी घटना, जो सहानुभूति की लहर पैदा कर सके, राजनीतिक रूप से प्रभावी साबित हो सकती है। पर यहीं सावधानी जरूरी है किसी अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले। क्या हर हमले को राजनीतिक लाभ के चश्मे से देखना सही है? या फिर यह हमारी अपनी शंकाओं का प्रतिबिंब है? सच्चाई शायद इन दोनों के बीच कहीं है।

राजनीति में नैरेटिव उतना ही महत्वपूर्ण होता है जितना कि फैक्ट। और ट्रम्प इस कला में माहिर माने जाते हैं। घटनाओं को अपने पक्ष में मोड़ने की क्षमता, समर्थकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने की शैली, और खुद को एक 'पीड़ित लेकिन लड़ाकू' नेता के रूप में स्थापित करना उन्हें खूब आता है। इसलिए यह मान लेना कि इस घटना का कोई राजनीतिक उपयोग नहीं होगा, शायद वास्तविकता से आंखें मूंदना होगा। लेकिन यह कहना कि पूरी घटना सिर्फ सहानुभूति पाने के लिए रची गई, यह भी उतना ही अतिशयोक्तिपूर्ण होगा।

घरेलू मोर्चे पर विरोध से निजात पाने की कवायद

असल सवाल यही है कि क्या हम घटना को देख रहे हैं, या उसकी 'प्रस्तुति' को? क्योंकि आज के दौर में सच्चाई सिर्फ घटनाओं में नहीं होती, बल्कि उस तरीके में भी होती है, जिससे उन्हें जनता के सामने रखा जाता है। और जब सुरक्षा, सियासत और मीडिया तीनों एक ही बिंदु पर मिलते हैं, तो कहानी सीधी नहीं रहती वह परतदार हो जाती है। एक परत तथ्यों की। दूसरीराजनीतिक लाभ की। तीसरी जनता की धारणा की। इन तीनों के बीच कहीं छिपी होती है असली सच्चाई यानी आधी हकीकत, आधा फ़साना। क्या पूरी दुनिया यह नहीं जानती की दुनिया के सबसे बड़े देश के सबसे ताकतवर राष्ट्रपति की सुरक्षा कितनी मजबूत होती है? खासतौर पर अब। यहीं उठते हैं कई सवाल। क्या कोई इतनी अभेद सुरक्षा को भेदकर उस होटल के हॉल में दाखिल हो सकता है, जहां ट्रम्प का ही प्रोफाइल डिनर चल रहा था। उसके पास शॉटगन जैसा हथियार था जो तभी जानलेवा साबित हो सकता है, जबकि किसी को बिल्कुल नज़दीक से निशाना बनाया जाए। ट्रम्प की कड़ी सुरक्षा कि बीच न तो यह संभव था और न ही हुआ। अब ट्रम्प की इस घटना पर प्रतिक्रिया को देखें तो इसमें ईरान के बजाय डेमोक्रेटिक पार्टी पर उनका पैंतरा बताता है की वह दुनिया नहीं, घरेलू मोर्चे पर उभरते विरोध से निजात पाने की कवायद नहीं कर रहे ?

INDIAN PREMIER LEAGUE
दिल्ली-बेंगलुरु, समय : शाम 7.30 बजे

भाजपा का आरोप - महिलाओं का आरक्षण देने में बाधा बन रहा है विपक्ष

विधानसभा में 'नारी शक्ति वंदन संकल्प' कांग्रेस का हंगामा, किया वॉकआउट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य विधानसभा में आज 'नारी शक्ति वंदन संकल्प' को लेकर विशेष सत्र की कार्रवाई चल रही है। इसमें विपक्ष ने शुरुआत से ही टोकने की रणनीति अपनाई। विधानसभा अध्यक्ष ने जैसे ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को संकल्प पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष ने प्वाइंट ऑफ ऑर्डर उठाने की मांग की, जिस पर अध्यक्ष ने संकल्प प्रस्तुत होने के बाद अवसर देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्होंने अभी कुछ कहा ही नहीं, तो प्वाइंट ऑफ ऑर्डर किस बात पर मांगा जा रहा है। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'नारी शक्ति वंदन संकल्प' प्रस्तुत किया। संकल्प में देश की संसद और सभी विधानसभाओं में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देने और परिसीमन प्रक्रिया पूरी कर इसे तत्काल प्रभाव से लागू करने की बात कही गई।

लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन बिल के पास नहीं होने के बाद से प्रदेश में लगातार सियासत जारी है। इसको लेकर बीजेपी और कांग्रेस आमने-सामने है और देशभर में राजनीतिक माहौल गरमाया है। आज के विशेष सत्र में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने का संकल्प पारित हो सकता है। मुख्यमंत्री द्वारा पेश शासकीय संकल्प देश में परिसीमन की प्रक्रिया पूरी कर महिला आरक्षण को तत्काल प्रभाव से लागू करने से जुड़ा है। सीएम ने कहा कि महिला आरक्षण पर खुली चर्चा होनी चाहिए। हम महिलाओं को आरक्षण देना चाहते हैं। इसी बीच हंगामा करते हुए कांग्रेस सदस्यों ने वॉक आउट किया। इससे पहले मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त करने का अच्छा प्रयास था, जिसमें कांग्रेस ने अड़ंगा लगाया है। कांग्रेस और विपक्ष के नेता हर समय महिला विरोधी काम करते हैं। विधानसभा में आज हम इसकी निंदा करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इस देश की तस्वीर और तकदीर बदलने का बड़ा प्रयास था। उधर, कांग्रेस विधायक अभिजीत शाह ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर विधानसभा जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने मंत्रालय के आगे बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक लिया। शाह का कहना था कि उन्होंने ट्रैक्टर का पास बनवाया था, जबकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ट्रैक्टर ले जाने की अनुमति नहीं है। इसी बात को लेकर पुलिस और विधायक के बीच जमकर बहस हुई और धक्का-मुक्की भी हुई। बाद में विधायक सदन में गेंहू का गठ्ठा लेकर चले गए।

विधानसभा के विशेष सत्र से पहले विधायक दल की बैठक को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

आज होगी ट्रंप प्रशासन की सिचुएशन रूम मीटिंग

ईरान ने दिया प्रस्ताव, होर्मुज खोलेंगे, न्यूक्लियर चर्चा बाद में

वाशिंगटन/तेहरान. एजेंसी

मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका के साथ एक डील का अहम् प्रस्ताव रखा है। इस डील के तहत होर्मुज़ स्ट्रेट को फिर से खोलने और युद्ध को खत्म करने पर सहमति बनाने की बात कही गई है, जबकि तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत को बाद के चरण के लिए टाल दिया गया है।

एक्सियोस की रिपोर्ट में एक अज्ञात अमेरिकी अधिकारी और इस मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रस्ताव पाकिस्तान के जरिए अमेरिका तक पहुंचाया गया है। बातचीत से जुड़े सूत्रों का कहना है कि मौजूदा गतिरोध के बीच ईरान का मौजूदा नेतृत्व भी इस बात पर एकमत नहीं है कि वह परमाणु मुद्दे पर कितनी रियायत देने को तैयार है। बताया जा रहा है कि इस पूरे मामले पर ट्रंप प्रशासन सोमवार को सिचुएशन रूम में अहम बैठक करने वाला है। फिलहाल, दोनों देशों के बीच तनाव बरकरार है, लेकिन इस प्रस्ताव को कूटनीतिक हल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। खबर है कि व्हाइट हाउस को यह प्रपोज़ल मिल गया है। हालांकि, यह अभी साफ नहीं है कि ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन नई डील पर विचार करेगा या नहीं। नई डील के तहत सीज़फ़ायर को लंबे समय के लिए बढ़ाया जाएगा, या तेहरान और वाशिंगटन हमेशा के लिए दुश्मनी खत्म करने पर सहमत होंगे यह आने वाले वक्त में पता चलेगा।

बाजार में उत्साह : ईरान की ओर से अमेरिका को दिए गए नए शांति प्रस्ताव से दुनिया भर के बाजार आज तेजी के साथ खुले। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को मजबूत शुरुआत के साथ खुला। लगातार तीन सत्रों की गिरावट के बाद शेयर बाजार सुधार देखने को मिला। मध्य पूर्व में तनाव कम होने की उम्मीदों के चलते शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 500 अंकों से ज़्यादा उछला, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी इंडेक्स लगभग 150 अंक ऊपर कारोबार कर रहा है।

न्यूज विंडो

पीएम की रैली से पहले बीजेपी टीएमसी समर्थकों में झड़प

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के जगदल में सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी की रैली है। इससे पहले रविवार रात बीजेपी और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। इस दौरान पत्थरबाजी, फायरिंग और देशी बम भी फेंके गए। इसमें तीन लोग घायल हुए, जबकि एक CISF जवान के पैर में गोली लगने का दावा किया गया है। जगदल के जलेबी माठ मैदान में प्रधानमंत्री की रैली होनी है। भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि रैली के लिए लगाए गए पोस्टर और झंडे फाड़ दिए गए। शिकायत करने थाने पहुंचे तो टीएमसी समर्थक भी आ गए। थाने के सामने ही बहस के बाद झड़प शुरू हो गई।

ईडी ने पंजाब में 11 जगहों पर की छापेमारी

चंडीगढ़। प्रवर्तन निदेशालय मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम, 2002 के तहत हरचरण सिंह भुल्लर पूर्व डीजीपी और अन्य से जुड़े मामले में 11 जगहों पर तलाशी ले रहा है। ये तलाशियां आरोपियों, उनके सहयोगियों और संदिग्ध बेनामीदारों से जुड़ी हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस तलाशी अभियान का मकसद अपराध से हासिल हुई और संपत्ति का पता लगाना, बेनामी संपत्तियों की पहचान करना और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े सबूत इकट्ठा करना है।

बस ऑपरेटर पर फायरिंग सरपंच पति सहित 15 पर केस

शिवपुरी। शिवपुरी में हथियारों से लैस बदमाशों ने एक बस संचालक के घर पर हमला कर दिया। वारदात कोतवाली क्षेत्र के सिंह निवास गांव में रविवार रात करीब 10:30 बजे हुई। बदमाशों ने 'टेरर टैक्स' और पुरानी रंजिश के चलते इस घटना को अंजाम दिया। सरपंच पति और पूर्व मंत्री के भतीजे समेत अन्य आरोपियों ने घर में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग की। हमले में बस संचालक जय सिंह बाल-बाल बच गए। गोली उनके बाएं हाथ को छूकर निकल गई। पुलिस ने 12 नामजद और 3 अज्ञात लोगों पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया है। सरपंच पति का नाम प्रभात रावत और पूर्व मंत्री के भतीजे का नाम रोहित धाकड़ है। कुछ आरोपियों को हिरासत में भी ले लिया गया है।

आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका

राज्यसभा के सभापति ने 7 सांसदों के बीजेपी में विलय को दी मंजूरी

नईदिल्ली, एजेंसी

अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के बीजेपी में विलय को मंजूरी मिल गई है। राज्यसभा के सभापति ने इस विलय को मंजूरी दे दी है। इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। इससे केजरीवाल की पार्टी को बड़ा झटका लगा है। आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों के बीजेपी में शामिल होने से राज्यसभा में बीजेपी के सांसदों की कुल संख्या 113 हो गई है। जिनमें राष्ट्रपति की तरफ से 5 मनोनीत सदस्य हैं। बीजेपी में जो कुल सात सांसद शामिल हुए हैं उनके नाम राघव चड्ढा, अशोक कुमार मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप कुमार पाठक, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल और राजेंद्र गुप्ता हैं।

बैरकपुर में बोले मोदी

बंगाल में बनेगी सरकार

बैरकपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज भाजपा का प्रचार करने बैरकपुर पहुंचे। उन्होंने कहा 4 मई को नतीजे आने के बाद भाजपा की सरकार बनेगी और वह शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने फिर बंगाल आएंगे। पीएम ने कहा 1857 में इसी बैरकपुर की धरती ने आजादी की पहली लड़ाई को ताकत दी थी। यही धरती आज बंगाल में परिवर्तन की राह को और प्रशस्त कर रही है। पीएम मोदी ने कहा कि पूरे राज्य में लोगों का मूड देखकर उन्हें विश्वास है कि जनता ही मेरा परिवार है और उनके बीच रहकर सुकून मिलता है।

नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर भिड़ंत

शादी से लौट रहे थे, टवेरा और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर, 5 की मौत, 7 घायल

नर्मदापुरम, एजेंसी

नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर आंचलखेड़ा के पास रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे टवेरा और अनाज से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर हो गई।हादसे में टवेरा सवार 5 लोगों की मौत हो गई। 7 लोग घायल हुए हैं। सभी मृतक और घायल महेंद्रवाड़ी व माखननगर के रहने वाले थे। वे बुधनी में एक शादी समारोह से लौट रहे थे। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उनका इलाज जारी है। शवों का पोस्टमॉर्टम आज नर्मदापुरम में किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, टवेरा में सवार सभी लोग गांव के राघवेंद्र मोरप्पा की शादी में बुधनी गए थे। रात में महेंद्रवाड़ी लौट रहे थे। आंचलखेड़ा के पास नर्मदापुरम की ओर से अनाज से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली आ रही थी। क्रासिंग के दौरान टवेरा ट्रॉली के साइड से टकरा गई।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

आम आदमी पार्टी संयोजक ने कहा- हाईकोर्ट में न खुद पेश होंगे, न वकील के जरिये पैरवी कराएंगे

जस्टिस स्वर्णकांता की कोर्ट का बहिष्कार, अब गांधीवाद अपनाएंगे केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

पहले तो दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता को उनके केस से अलग करने की कोशिश की लेकिन इसमें कामयाबी नहीं मिलने पर उन्होंने अब एक नया मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट की जज स्वर्णकांता को चिट्ठी लिखकर साफ कर दिया है कि वह उनके सामने न तो खुद पेश होंगे और न ही किसी वकील के जरिए अपनी पैरवी करवाएंगे। केजरीवाल ने अपने पत्र में लिखा कि उन्हें जस्टिस स्वर्णकांता से न्याय मिलने की उम्मीद अब टूट चुकी है। इसी वजह से उन्होंने महात्मा गांधी के सत्याग्रह के रास्ते पर चलने का फैसला लिया है। उनका कहना है कि यह निर्णय उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर लिया है। केजरीवाल ने संकेत दिया कि वह इस मामले में कानूनी लड़ाई के बजाय नैतिक और वैचारिक विरोध का रास्ता अपनाएंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि जस्टिस स्वर्णकांता के किसी भी फैसले के खिलाफ वह सुप्रीम कोर्ट जाने का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखेंगे। यह पूरा मामला दिल्ली शराब नीति केस से जुड़ा है। केजरीवाल और अन्य आरोपियों ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने की मांग की थी। उन्होंने जज पर पक्षपात की आशंका जताते हुए कई आधार दिए थे, जिनमें जज के बच्चों का सरकारी वकीलों के साथ जुड़ाव भी शामिल था। हालांकि, जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने हाल ही में इस याचिका को साफ शब्दों में खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि उनकी शपथ संविधान से है और वे दबाव में नहीं झुकेंगी। जज ने केजरीवाल की याचिका को 'बिना सबूतों के आरोप' करार दिया और कहा कि ऐसे आवेदन न्यायिक प्रक्रिया पर हमला हैं। ऐसे में केजरीवाल की इस चिट्ठी और उनके फैसले ने एक बार फिर शराब नीति मामले को सुर्खियों में ला दिया है। अब देखना यह होगा कि दिल्ली हाईकोर्ट इस नई स्थिति पर क्या रुख अपनाता है और केजरीवाल का सत्याग्रह वाला रास्ता कानूनी रूप से कितना प्रभावी साबित होता है।

मेरी चुप्पी की परीक्षा ली जा रही थी : स्वर्णकांता

बीते सोमवार को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने न केवल इस मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने की याचिका खारिज कर दी थी बल्कि याचिकाकर्ताओं की मंशा पर भी गंभीर सवाल उठाए। जस्टिस स्वर्णकांता ने बेहद भावुक और सख्त लहजे में कहा था 'एक न्यायाधीश के रूप में मेरी चुप्पी की परीक्षा ली जा रही थी। आसान रास्ता यह होता कि मैं बिना दलील सुने खुद को अलग कर लेती, लेकिन यह संस्था की निष्पक्षता का सवाल था।' उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी पक्षकार अपनी पसंद की बेंच चुनने के लिए जज पर दबाव नहीं बना सकता। कोर्ट ने जजों के परिवार पर उठाए गए सवालों पर कड़ा ऐतराज जताया था। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा, अगर राजनेताओं के बच्चे राजनीति में आ सकते हैं, तो जजों के बच्चे कानून के पेशे में क्यों नहीं आ सकते? मेरे बच्चों का एक्साइज पॉलिसी केस से कोई लेना-देना नहीं है। जब तक पद के दुरुपयोग का कोई सबूत न हो, तब तक ऐसे आरोप लगाना जजों के परिवार के मौलिक अधिकारों का हनन है। अनुमानों के आधार पर ऐसी मांगें मानना एक गलत मिसाल कायम करेगा। यह शक्तिशाली वादियों के लिए न्यायाधीशों, उनके परिवारों और यहां तक कि कुछ समारोहों में उनकी उपस्थिति पर भी हमला करने के द्वार खोल देगा।

भोपाल जंक्शन के प्लेटफॉर्म-एक की सड़क बनी मुसीबत

अतिक्रमण और गड्ढों के कारण 10 फीट में सिमटा रास्ता, यात्री परेशान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-एक से रोजाना हजारों यात्रियों का आना-जाना होता है, लेकिन यहां की साइड की सड़क खुद परेशानी का बड़ा कारण बन गई है। करीब 20 फीट चौड़ी इस सड़क को अतिक्रमण और अव्यवस्था के चलते लोगों ने लगभग 10 फीट तक सीमित कर दिया है। दूसरी ओर सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हैं, जिससे पैदल चलना और वाहन निकालना बेहद मुश्किल हो जाता है। खासकर सुबह-शाम के पीक आवर्स में यहां जाम की स्थिति आम बात हो गई है।

भारी सामान के साथ चलना दूभर, हादसों का बना रहता है खतरा

ट्रेन पकड़ने या उतरने वाले यात्रियों को यहां अक्सर देरी झेलनी पड़ती है। गड्ढों और अव्यवस्थित ट्रैफिक से बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चों को चलने में दिक्कत होती है। बारिश में पानी भरने से फिसलने और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है, वहीं भारी सामान के साथ आवाजाही और मुश्किल हो जाती है। सड़क की खराब हालत और भीड़भाड़ के कारण अचानक ब्रेक लगाने या मुड़ने से हादसों की आशंका बनी रहती है। जाम लगने पर एंबुलेंस और अन्य इमरजेंसी वाहन भी फंस सकते हैं, जिससे समय पर मदद मिलना मुश्किल हो जाता है। रात में पर्याप्त रोशनी न होने से यह जोखिम और बढ़ जाता है।

निगरानी की कमी और नियम विरुद्ध खड़े ऑटो

नियमों का पालन न होने के पीछे सबसे बड़ा कारण पर्याप्त निगरानी और सख्त कार्रवाई की कमी है। मौके पर अक्सर ट्रैफिक पुलिस या रेलवे स्टाफ की मौजूदगी नहीं होती, जिससे चालक नियमों की अनदेखी करते हैं। नियमित चेकिंग और जुर्माने की सख्ती न होने से समस्या लगातार बनी हुई है। रोजाना लगभग 40 हजार यात्री इस मार्ग से आते-जाते हैं। वहीं करीब 40 ऑटो प्रतिदिन सड़क पर ही खड़े रहते हैं, जिससे पूरी सड़क घिर जाती है। हैरानी की बात यह है कि इस अव्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए मौके पर कोई प्रभावी व्यवस्था नजर नहीं आती।

ऑटो के लिए अलग पार्किंग और सड़क मरम्मत जरूरी

ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त जितेन्द्र पवार ने बताया कि स्थिति सुधारने के लिए ड्रॉप-ऑफ और पिक-अप के लिए अलग लेन बनाई जाए। ऑटो-टैक्सी के तय स्टैंड सुनिश्चित कर सख्ती से पालन कराया जाए। सड़कों की नियमित मरम्मत, स्पष्ट साइनेज और बैरिकेडिंग जरूरी है। साथ ही पीक आवर्स में विशेष ट्रैफिक मैनेजमेंट लागू कर जाम और अव्यवस्था नियंत्रित की जाए। रेलवे स्टेशन पर केवल 10 मिनट की पिक-अप और ड्रॉप सुविधा और अंदर ऑटो पार्किंग की व्यवस्था न होने से चालक सड़क पर ही वाहन खड़े करते हैं, जिससे ट्रैफिक समस्या बढ़ रही है। इसे सुधारने के लिए रेलवे और नगर निगम ने मिलकर ऑटो पार्किंग के लिए अलग स्थान तय करने का निर्णय लिया है, जिसे 15 दिनों में चिन्हित किया जाएगा। साथ ही सड़क मरम्मत पर भी काम होगा।

भोपाल पहुंचे ईरानी सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि का दावा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अमेरिका के साथ शांतिवार्ता की कोशिशों के बीच ईरान ने अपनी पिपुल टू पिपुल डिप्लोमेसी को सक्रिय कर दिया है। इसी क्रम में ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई के भारत स्थित प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल माजिद हकीम इलाही रविवार को भोपाल पहुंचे। उन्होंने कोहेफिजा स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में आयोजित 'इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन जलसा' को संबोधित किया।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. इलाही ने कहा कि कठिन समय में भारत के मुसलमानों ने ईरान का साथ दिया। उन्होंने कहा कि जब अन्य देशों ने दूरी बना ली थी, तब भारत के मुसलमान विरोध प्रदर्शन कर ईरान के समर्थन में खड़े रहे। इसके लिए उन्होंने भारत और यहां के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. इलाही ने अपने संबोधन में एक महत्वपूर्ण दावा करते हुए कहा कि ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मूज को किसी अंतरराष्ट्रीय दबाव में नहीं, बल्कि भारत के मुसलमानों के प्रति प्रेम के कारण खोला था। उन्होंने कहा कि ईरान हर परिस्थिति में भारत के साथ खड़ा रहेगा।

इजरायली सम्मान लौटाने की मांग: सभा में कम्युनिस्ट पार्टी के सचिव शैलेंद्र शैली ने इजरायल के एक सम्मान को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उस समय दिया गया जब ईरान पर हमला हुआ, जो मानवता के लिए कलंक है। उन्होंने नैतिक मूल्यों की रक्षा के लिए यह सम्मान लौटाने की मांग की।

भारतीय मुस्लिमों के कारण खोला गया होर्मूज का रास्ता

खामेनेई के भारत प्रेम का जिक्र

उन्होंने दिवंगत नेता अली हुसैनी खामेनेई के भारत के प्रति लगाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि खामेनेई भारतीय इतिहास, दर्शन और साहित्य में विशेष रुचि रखते थे। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू की पुस्तक डिस्कवरी ऑफ इंडिया को पढ़ने की सलाह अपने लोगों को दी थी।

सभा में किया फिलिस्तीन का समर्थन

कार्यक्रम के दौरान कई युवा फिलिस्तीन समर्थन वाली टी-शर्ट पहने नजर आए। इस आयोजन का संचालन एआइएमआइएम के प्रदेश अध्यक्ष मोहसीन अली खान ने किया। इसमें मुफ्ती डॉ. इरफान आलम कासमी, रणवीर सिंह वजीर, राजकुमार वर्मा, मौलाना राजीउल हसन और ग्रंथी अरिजीत सिंह सहित कई लोग शामिल हुए।

ग्वालियर के महेंद्र सिंह यादव बने अपेक्स बैंक के नए प्रशासक

भोपाल। मध्य प्रदेश के सहकारिता क्षेत्र में एक बड़ी प्रशासनिक नियुक्ति की गई है। ग्वालियर निवासी महेंद्र सिंह यादव को मध्य प्रदेश राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) का नया प्रशासक नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा सहकारिता आंदोलन को नई गति देने और स्थानीय नेतृत्व को बैंक के प्रबंधन से जोड़ने के प्रयास के रूप में देखी जा रही है। पंजीयक सहकारी संस्थाएं, मध्य प्रदेश (भोपाल) के मनोज पुष्प ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी किए हैं। ग्वालियर के मोहनपुर (मुरार) निवासी महेंद्र सिंह यादव को तत्काल प्रभाव से अपेक्स बैंक के प्रशासक का दायित्व सौंपा गया है।

महिला सशक्तिकरण की थीम पर सजी रंगों की अनूठी दुनिया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के बंसल प्लाजा में इन दिनों 'आर्ट एग्जीबिशन 2026' का आयोजन किया जा रहा है, जो 3 मई तक चलेगा। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य कलाकारों को एक सशक्त मंच प्रदान करना और उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाना है। इस बार की प्रदर्शनी में महिला सशक्तिकरण को प्रमुख थीम के रूप में शामिल किया गया है, जिसके साथ नेशनल व मध्यप्रदेश के लीडर्स, पर्यटन, वन्यजीवन, जियोपॉलिटिकल परिदृश्य, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, संसाधनों की स्थिरता, एब्स्ट्रैक्ट व मॉडर्न आर्ट और विजन 2047 जैसे विषयों पर कलाकृतियां प्रदर्शित की जा रही हैं। आयोजक श्याम अहिरवार के अनुसार अब तक 70 से 80 पेंटिंग्स प्रदर्शित हो चुकी हैं और यह संख्या 200 तक पहुंचाने की तैयारी है। प्रदर्शनी में युवा और अनुभवी कलाकारों की भागीदारी देखने को मिल रही है। कलाकार आशीष गुजराती ने बताया कि वे 8 वर्षों से चित्रकला कर रहे हैं और उनकी 300 से अधिक पेंटिंग्स का संग्रह है। उनकी दो प्रमुख कृतियां 'सुकून से सुर' और 'कादरिया महादेव' विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। वहीं मोहम्मद अमन ने स्वतंत्रता का संदेश देती एक प्रभावशाली पेंटिंग प्रस्तुत की है, जिसमें पिंजरे में बंद चिड़िया को दर्शाया गया है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को प्रोत्साहित करना और शहर में कला के प्रति रुचि बढ़ाना है।

एम्स भोपाल में अंगदाता को गार्ड ऑफ ऑनर

एम्स में भर्ती 47 वर्षीय मरीज को इंट्रासेरेब्रल हेमरेज के कारण संभावित ब्रेन-स्टेम डेथ की स्थिति में चिन्हित किया गया। परिजनों के अंगदान के लिए सहमति देने के बाद प्रशासन ने इस सम्मान में आईपीडी गेट पर अंगदाता को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया। इस अवसर पर भोपाल एम्स का स्टाफ, अंगदाता के परिजन तथा बड़ी संख्या में पुलिस प्रशासन मौजूद रहा। यह पहल समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक संदेश देने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

छठ घाट विस्तार योजना को मंजूरी भोजपुरी समाज ने जताया आभार

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर विसर्जन घाट पर छठ पूजा के दौरान बढ़ती भीड़ और जगह की कमी के लिए विस्तार योजना को मंजूरी मिल गई है। हर साल श्रद्धालुओं को होने वाली असुविधा को देखते हुए निगम ने बजट में विस्तारीकरण का प्रावधान किया है, जिसके लिए भोजपुरी समाज ने महापौर और परिषद का आभार व्यक्त किया है।

विस्तारीकरण योजना को लेकर भोजपुरी साहित्य संस्था के अध्यक्ष व कालिदास संस्कृत अकादमी के उपनिदेशक दिनेश कुमार मिश्रा, भोजपुरी फैंसी समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण गिरि, गंगासागर यादव और नंदकिशोर डाबी ने घाट का निरीक्षण किया।

कार्य को गति देने के लिए समाज के प्रतिनिधि जल्द ही विधायक रामेश्वर शर्मा को ज्ञापन सौंपेंगे। महापौर एवं जल कार्य समिति के सहयोग से इस विस्तार कार्य को शीघ्र पूर्ण कराया जाएगा ताकि आगामी छठ पूजा में श्रद्धालुओं को किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े।

त्रिलंगा में 3 करोड़ की लागत से बनेगी सीसी रोड

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वार्ड 51 त्रिलंगा में लगभग 3 करोड़ की लागत से सी सी रोड का भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक अर्चना चिटनिस, महापौर मालती राय, जिला प्रभारी जशवंत सिंह हाड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा सुरजीत सिंह चौहान, जिला प्रभारी सीहोर विकास वीरानी, जोन अध्यक्ष स्नेहलता भगवत रघुवंशी, मंडल अध्यक्ष पीयूष सिसोदिया, भाजपा नेता सुनील पांडेय, श्याम सुंदर शर्मा, पदाधिकारी गण एवम रहवासी गण उपस्थित रहे।

10 ट्रेनों में जून से एसी इकोनॉमी कोच लगाए जाएंगे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

यात्रियों को किफायती वातानुकूलित यात्रा सुविधा देने के लिए पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने 10 प्रमुख ट्रेनों की कोच संरचना में बदलाव करने का निर्णय लिया है। जून 2026 से इन ट्रेनों में पारंपरिक थ्री-टियर एसी (3एसी) की जगह थ्री-टियर एसी इकोनॉमी कोच लगाए जाएंगे।

रेलवे ने बताया कि यह बदलाव चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, एसी इकोनॉमी कोच जुड़ने से कम किराए में अधिक यात्रियों को वातानुकूलित यात्रा का लाभ मिलेगा। इससे प्रतीक्षा सूची का दबाव भी कम होगा और लंबी दूरी की ट्रेनों में सीट उपलब्धता बेहतर होगी। जिन ट्रेनों में यह सुविधा शुरू की जा रही है, उनमें रानी कमलापति-रीवा, रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन, भोपाल-सिंगरौली, भोपाल-चोपन और भोपाल-धनबाद मार्ग की ट्रेनें शामिल हैं। नई व्यवस्था के तहत 15 जून से रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस, 16 जून से रीवा-रानी कमलापति एक्सप्रेस, 17 जून से रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस, 20 जून से निजामुद्दीन-रानी कमलापति तथा भोपाल-सिंगरौली एक्सप्रेस में बदलाव लागू होगा। वहीं 21 से 24 जून के बीच चोपन और धनबाद मार्ग की ट्रेनों में भी नए कोच जोड़े जाएंगे। इस पहल से यात्रियों को कम किराए में वातानुकूलित यात्रा का विकल्प मिलेगा। साथ ही भीड़ नियंत्रण में मदद मिलेगी और सफर अधिक आरामदायक बनेगा।

स्वालंबन प्रशिक्षण व विवाह संस्कार आयोजित

चेतना जागरण के लिए कोलार में निकली रैली

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गायत्री शक्तिपीठ भोपाल के तत्वावधान में पंच महाभियान ग्राम एवं तीर्थ योजना के अंतर्गत सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कोलार स्थित चेतना विस्तार केंद्र में संवेदना संप्रेषण सत्र सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवा एवं परिजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9 बजे गायत्री शक्तिपीठ भोपाल से प्रेरणादायी वाहन रैली के साथ हुआ। रैली के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने मार्ग में जन-जागरण करते हुए समाज को नैतिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय चेतना के संदेश दिए और कोलार क्षेत्र में प्रवेश किया। चेतना विस्तार केंद्र पर उपस्थित परिजनों के साथ आत्मीय संवाद स्थापित किया गया तथा जन्म शताब्दी वर्ष के संकल्पों से जुड़ने का आवाहन किया गया। इस दौरान नए एवं पुराने सभी परिजनों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने का संकल्प लिया।
इसके पश्चात क्षेत्र के प्रमुख देवालयों में स्वच्छता, जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति श्रद्धालुओं को प्रेरित किया गया। कार्यकर्ताओं ने जन-जागरण के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संदेश प्रसारित किया। कार्यक्रम के दौरान उत्साह, अनुशासन एवं सेवा भाव का उत्कृष्ट समन्वय देखने को मिला। यह सत्र संगठन सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक चिंतन के विस्तार का प्रभावी माध्यम बना।
कार्यक्रम का समापन दोपहर 12 बजे कोलार चेतना केंद्र पर हुआ। आयोजकों ने सभी सहभागी परिजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में ऐसे जनहितकारी अभियानों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

इसी क्रम में गायत्री शक्तिपीठ भोपाल पर महिला टोली द्वारा आदर्श विवाह संस्कार सम्पन्न कराए गए, जबकि प्रज्ञा पीठ बरखेड़ा में स्वावलंबन अभियान के अंतर्गत टमाटर सूप एवं दंत मंजन निर्माण का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। चौथा कार्यक्रम स्वाध्याय एवं साहित्य विस्तार के अंतर्गत आचार्य पंडित श्रीराम शर्मा जी गुरुदेव के द्वारा लिखित साहित्य का नेहरू नगर शाखा द्वारा साहित्य स्टाल लगाया।

मेट्रो एंकर | दो दिवसीय सिंधी मेला दो-तीन मई को, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण थीम

एक सशक्त महिला ही परिवार और राष्ट्र की उन्नति का आधार

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

लालघाटी स्थित सुन्दर वन गार्डन में आगामी 2 और 3 मई को 'पारिवारिक सिंधी मेले' का आयोजन होने जा रहा है। सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित इस मेले की विस्तृत रूपरेखा साझा करने के लिए रविवार को एक पत्रकार वार्ता बुलाई गई।

समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी और महासचिव नरेश तलरेजा ने बताया कि यह मेला अपने 29वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस वर्ष के आयोजन को विशेष रूप से महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित किया गया है। समिति का मानना है कि एक सशक्त महिला ही परिवार और राष्ट्र की उन्नति का आधार होती है। मेले का शुभारंभ भगवान झूलेलाल जी के बहिराने साहिब की ज्योत प्रज्वलित कर और पारंपरिक सिंधी छेज के साथ किया जाएगा। मेले में मुंबई के प्रसिद्ध रॉकस्टार नील और करण खेमानी अपनी टीम के साथ सुरीली प्रस्तुतियाँ देंगे। चेटीचाँद शोभा यात्रा में शामिल हुई झांकियों में से सर्वश्रेष्ठ तीन झांकियों को पुरस्कृत किया जाएगा। मेले में बच्चों के लिए आकर्षक झूले, सिंधी फन क्विज, गेम्स और कई अन्य प्रतियोगिताएं। साथ ही सिंधी व्यंजनों के लजीज स्टॉल और रंगारंग आतिशबाजी होगी। समिति ने मेले में आने वाले बुजुर्गों की सुविधा के लिए वैले पार्किंग की विशेष व्यवस्था की है, ताकि उन्हें वाहन पार्क करने में किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

जिम में निवेश का झांसा देकर की ठगी

भोपाल। ऐशबाग इलाके में जिम में निवेश के नाम पर 32 लाख रुपए ऐंठ लिए गए। घटना 3 साल पुरानी है, जबकि शिकायत के एक साल बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। फिलहाल आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। पुलिस ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी कबीश माहेश्वरी, जो निजी नौकरी करते हैं, उनकी मुलाकात वर्ष 2022 में शुभम गुप्ता नाम के युवक से हुई थी। आरोपी ने उन्हें जिम बिजनेस में निवेश का प्रस्ताव दिया और कहा कि इसमें मोटा मुनाफा होगा।

श्रद्धालुओं से अच्छा व्यवहार करना सीख रही मप्र पुलिस

सिंहस्थ से पहले उज्जैन में अधिकारियों की ट्रेनिंग; 41 विषयों पर दी जा रही जानकारी

उज्जैन । उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ 2028 कुम्भ के लिए पुलिस प्रशासन ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। आयोजन से करीब दो साल पहले ही पुलिस अधिकारियों को विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है, ताकि मेले को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जा सके। उज्जैन के पुलिस लाइन स्थित कम्युनिटी हॉल में 22 अप्रैल से 21 दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। इसमें प्रदेशभर से आए पुलिस अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। ट्रेनिंग को दो सत्रों में बांटा गया है, जिसमें थ्योरी के साथ-साथ फील्ड विजिट भी कराया जा रहा है। उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि ट्रेनिंग में भीड़ प्रबंधन, गर्मी में लंबी ड्यूटी, श्रद्धालुओं से व्यवहार, स्वास्थ्य का ध्यान रखने जैसे करीब 41 विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। दूसरे सत्र में अधिकारियों को फील्ड विजिट कराई जा रही है, जहां उन्हें पार्किंग, प्रवेश-निकास मार्ग, भीड़ नियंत्रण, बैरिकेडिंग और होल्डिंग एरिया की व्यवस्था समझाई जा रही है, ताकि मेले के दौरान आवाजाही सुचारु बनी रहे।

117 अधिकारी बनेंगे मास्टर ट्रेनर

इस ट्रेनिंग में शामिल 117 अधिकारी आगे चलकर ॅमास्टर ट्रेनरॅ बनेंगे। ये अधिकारी प्रदेश के अन्य जिलों में जाकर पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग देंगे। बाद में इन्हीं प्रशिक्षित अधिकारियों को सिंहस्थ के दौरान ड्यूटी के लिए उज्जैन बुलाया जाएगा। उज्जैन पुलिस द्वारा यह प्रशिक्षण पूरी तरह व्यवहारिक और तकनीक आधारित रखा गया है। इसमें घाटों की सुरक्षा, आपातकालीन व्यवस्था, समन्वित पुलिस प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण जैसे पहलुओं पर खास जोर दिया जा रहा है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन- कोटा में सीएम यादव का बड़ा संदेश, बोले-

बेटियों के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ते हैं दो घर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि विवाह केवल एक संस्कार नहीं, बल्कि दो परिवारों को जोड़ने का पवित्र संबंध है। उन्होंने कहा कि बेटियों के माध्यम से दो घर एक-दूसरे से जुड़ते हैं और यही भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी खूबसूरती है। वे रविवार को राजस्थान के कोटा में ग्राम रींछी में आयोजित निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। यह आयोजन यदुवंशी अहिरान एवं यदुवंशी मुल्की अहीर समिति द्वारा किया गया, जो संस्था का 38वां सामूहिक विवाह सम्मेलन था। इस कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर भी मौजूद रहे।

सादगी और परंपरा पर दिया जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज को विवाह जैसे आयोजनों में दिखावे और फिजूल खर्च से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्ज लेकर भव्य आयोजन करने की बजाय सादगी से विवाह करना अधिक उचित है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने स्वयं अपने परिवार में सामूहिक विवाह जैसे आयोजनों को अपनाया है, जिससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रामगंज मंडी के पास स्थित प्राचीन मंदिर के विकास में राज्य सरकार की ओर से पूरा सहयोग देने की घोषणा की।

महाकुंभ और विकास परियोजनाओं का उल्लेख

मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों को उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। इसके साथ ही उन्होंने पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह योजना मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच विकास और समृद्धि के नए द्वार खोलेगी। मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी धर्म और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार श्रीकृष्ण से जुड़े सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है।

मई में दिल्ली से आएगी केंद्र की टीम

स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए सिटीजन फीडबैक शुरू, इसी से तय होगी भोपाल की रैंकिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 के अंतर्गत सिटीजन फीडबैक की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। ऑनलाइन पोर्टल खुलते ही भोपाल को नंबर वन बनाने के लिए नागरिकों ने फीडबैक देना शुरू कर दिया है। यह प्रक्रिया शहर की स्वच्छता रैंकिंग निर्धारित करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी, क्योंकि इसी फीडबैक के आधार पर अगले महीने केंद्र सरकार की टीमें भोपाल की जमीनी सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने आएंगी।

दरअसल, राजधानी में स्वच्छ सर्वेक्षण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और सर्वेक्षण के अंतिम चरण मई माह में दिल्ली की टीमें भोपाल आएंगी और सिटीजन फीडबैक के आधार पर शहर की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करेंगी। इसके बाद देशभर के शहरों का रिजल्ट जारी होगा।

हर बार की तरह इस बार भी भोपाल नगर निगम ने नंबर वन का दावा किया है। इसके लिए पब्लिक फीडबैक ज्यादा से ज्यादा चाहिए। फीडबैक के दौरान सफाई व्यवस्था से जुड़े 13 सवालों के जवाब देने होंगे। शनिवार को पब्लिक फीडबैक की साइट खुलते ही महापौर मालती राय, सांसद आलोक शर्मा सहित विधायक और दूसरे जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने मोबाइल से फीडबैक दिया। अब शहरवासियों की जिम्मेदारी है कि वह भी अपने भोपाल के लिए वोट करें।

सफाई देखने अधिकारी फील्ड में उतरे

शहर की सफाई व्यवस्था पर नजर रखने के लिए नगर निगम अधिकारी फील्ड में उतर आए हैं। हाल ही में निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने जोन 19 के इलाकों का जायजा लिया। कमिश्नर ने 106 अधिकारी-कर्मचारियों को नोडल नियक्ति किया है, लेकिन इनमें से 40 ही फील्ड में उतरे।

सर्वे में पूछे जा रहे ये प्रश्न

- क्या आप कचरा फेंकने से पहले सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग करते हैं?
- क्या कचरा उठाने वाला कर्मचारी अलग-अलग तरीके से गाड़ी में डालता है या उठाने-लोड करने के दौरान उसे मिला देता है?
- क्या आपके इलाके में रोजाना झाड़ू या फिर सफाई की जाती है?
- आप अपने इलाके की साफ-सफाई को कैसे रेट करेंगे?
- इलाके के आसपास कितनी बार लावारिस कूड़े-कचरे के ढेर देखते हैं?
- स्थानीय प्रशासन मार्केट, बाजार, पार्क, गार्डन या दूसरी जगहों जैसी सार्वजनिक जगहों पर साफ-सफाई बनाए रखने में कितनी असरदार है?
- क्या आप लोगों को खुलेआम सार्वजनिक जगहों पर या आसपास शौच करते देखते हैं?
- आप अपने इलाके के सार्वजनिक शौचालय की सफाई और रख-रखाव से कितने संतुष्ट हैं?
- क्या आप शहर में वेस्ट मैनेजमेंट के लिए रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकल सेंटर के बारे में जानते हैं?
- जब आपके सीवर या सेप्टिक टैंक को सफाई की जरूरत होती है, तो आप किससे संपर्क करते हैं?
- स्थानीय अधिकारियों को सफाई से जुड़ीं समस्याएं (जैसे, कचरा फेंकना, कूड़ेदानों का ओवरफ्लो होना, साफ-सफाई की कमी) को कैसे बताते हैं?
- आप शहर की सफाई से संबंधित शिकायतों (जैसे, कचरा फेंकना, कूड़ेदानों का ओवरफ्लो होना) पर प्रतिक्रिया को कैसे रेट करेंगे?

सीएम मोहन यादव का बड़ा फैसला

खाली पड़ी अनुपयोगी सरकारी जमीन अब बेचने के बजाय उद्योगों को मिलेगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में खाली पड़ी वर्षों पुरानी अनुपयोगी शासकीय भूमि अब राज्य सरकार बेचेगी नहीं बल्कि निवेशकों को उद्योग लगाने के लिए दी जाएगी। इस दिशा में राज्य सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग ऐसी भूमि चिह्नित कर रहा है जिनका उपयोग बड़े उद्योगों के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के लिए किया जा सकेगा। दरअसल, कुछ जमीनें ऐसी है जो शहर के नजदीक या शहर के बीच में हैं। यहां बड़े उद्योग लगाना संभव नहीं इसलिए इन्हें लघु उद्योगों को आवंटित करने पर विचार किया जा रहा है।

तिलहन संघ का सीहोर के पचामा में 70 एकड़ का सोयाबीन प्रोसेसिंग प्लांट, नर्मदापुरम के बनापुरा में 45 एकड़ में सोयाबीन प्रोसेसिंग प्लांट, मुरैना के जड़ेरूआ में 40 एकड़ में सरसों तेल प्लांट और सीधी जिले के चुरहट में 43 एकड़ में स्थित वनस्पति तेल का प्लांट है। कुल 198 एकड़ भूमि पर बंद पड़े इन चारों तेल उत्पादन प्लांटों की भूमि पर उद्योग स्थापित करने के लिए एमएसएमई और एमपीआइडीसी को देने की तैयारी है। बता दें, मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने हाल ही में कहा था कि सरकार अब सरकारी जमीनों को सीधे निजी हाथों में बेचने के बजाय, उन पर स्वयं या सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में आइटी पार्क, डाटा सेंटर और हाईटेक टाउनशिप विकसित करेगी। हाईवे किनारे की भूमि पर क्लस्टर विकसित करने की तैयारी राज्य सरकार की तैयारी है कि हाईवे किनारे से लगी प्राइम लोकेशन की जमीन पर क्लस्टर विकसित किए जाएं। एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) के तहत फूड प्रोसेसिंग इकाई और टेक्सटाइल पार्क जैसे क्लस्टर लगाए जाएं। ऐसी प्राइम लोकेशन चिह्नित कर निवेशकों को बताई जाएगी।

पांच साल में बेच दीं 101 शासकीय संपत्तियां

मध्य प्रदेश सरकार ने पांच साल में 1,110 करोड़ रुपये में 101 शासकीय संपत्तियां बेच दीं। यह संपत्तियां प्रदेश में और प्रदेश के बाहर स्थित थीं। वर्ष 2020 में बनाए गए लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग के अस्तित्व में आने के बाद ये संपत्तियां बेची गईं। राज्य परिवहन निगम के बस डिपो, विभिन्न बोर्ड की जमीन, सरकारी कार्यालय, जेल विभाग की भूमि सहित कुल 101 सरकारी संपत्तियों का विक्रय किया गया। ग्वालियर की 19 संपत्तियां, इंदौर की 13, भोपाल की चार, जबलपुर की तीन, उज्जैन की छह, मुरैना की तीन, नर्मदापुरम तीन, भिंड दो, बालाघाट की तीन सहित कुल 101 सरकारी संपत्तियां विक्रय की गई हैं। 4,44,941.88 वर्ग किमी क्षेत्रफल की परिसंपत्ति का विक्रय किया गया है। भोपाल में प्राइम लोकेशन पर स्थित आरटीओ और मध्य

कूनो बना चीतों का ग्लोबल ब्रीडिंग सेंटर

3 माह में 4 मादा बनी मां, प्रबंधन ने बदली रणनीति- जंगल में प्रजनन को माना टास्क

श्योपुर। करीब 70 साल बाद देश में लौटे चीते अब कूनो को पूरी तरह से न सिर्फ अपना चुके हैं, बल्कि तेजी से बढ़ भी रहे हैं। अप्रैल 2026 तक कूनो में चीतों की संख्या 54 तो देश में 57 पर पहुंच गई है, जिनमें 37 से ज्यादा शावक भारत में ही जन्मे हैं।

फरवरी से अप्रैल 2026 के बीच ज्वाला, निर्वा, आशा और गामिनी सहित चार मादा चीतों ने शावकों को जन्म दिया। लगातार हो रही ब्रीडिंग ने कूनो को रेस्क्यू सेंटर से आगे बढ़ाकर देश का पहला सक्रिय चीता ब्रीडिंग हब बना दिया है। जहां के जंगल ही नहीं खेतों में भी चीता घूमते हुए लोगों को सहर्ष ही दिख जाते हैं। इसी का नतीजा है कि कूनो नेशनल पार्क में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिसके चलते पर्यटक आधारित काम धंधों में भी इजाफा हुआ है। बता दें कि चीता प्रोजेक्ट के शुरुआती चरण में 2023 के दौरान संक्रमण और अन्य कारणों से कुछ चीतों की मौत के बाद उठे सवालों के बीच अब प्रोजेक्ट ने रिकवरी दिखाई है।

महिला आरक्षण में अब ओबसी कोटे की मांग करेगी कांग्रेस

भोपाल। लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि उसे इस प्रस्ताव से कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, पार्टी चाहती है कि इस आरक्षण में अजा, अजजा के साथ अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं को भी शामिल किया जाए।इस मांग को मजबूत करने के लिए कांग्रेस राज्यों में ओबीसी सम्मेलन आयोजित करेगी। इस विषय पर पार्टी की ओबीसी सलाहकार परिषद में पहले ही चर्चा हो चुकी है और अब इसे लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। पार्टी का मानना है कि सभी वर्गों की महिलाओं को समान अवसर मिलना चाहिए।

पीएम मप्र को देंगे 2 अमृत भारत की सौगात

भोपाल-इटारसी-जबलपुर-हरदा-खंडवा के लोगों को मिलेगा विशेष लाभ

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल 28 अप्रैल को मध्य प्रदेश के रेल यात्रियों के लिए खुशियों की सौगात लेकर आ रहे हैं। पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश की अत्याधुनिक और किफायती अमृत भारत एक्सप्रेस की दो नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। इनमें से एक ट्रेन बनारस से और दूसरी अयोध्या कैंट से संचालित होगी, जो मध्य प्रदेश के कई महत्वपूर्ण औद्योगिक और धार्मिक शहरों को सीधे उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से जोड़ेंगी। पहला रूट अयोध्या कैंट से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बीच है, जो जबलपुर और इटारसी होकर गुजरेगा। यात्रा के दौरान प्रयागराज से चलकर यह ट्रेन मानिकपुर, सतना, जबलपुर और इटारसी जंक्शन पहुंचेगी। इसके बाद भुसावल, जलगांव और नासिक होते हुए मुंबई तक जाएगी। इस ट्रेन के शुरू होने से जबलपुर और सतना के यात्रियों को अयोध्या और मुंबई के लिए एक तेज विकल्प मिलेगा।

भोपाल-इटारसी को मिलेगी सीधा कनेक्टिविटी

दूसरा रूट बनारस से हडपसर (पुणे) के बीच है। बनारस से शुरू होने वाली यह अमृत भारत एक्सप्रेस मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल और इटारसी को सीधा कनेक्टिविटी देगी। बनारस और प्रयागराज के रास्ते यह ट्रेन बीना, रानी कमलापति (भोपाल), नर्मदापुरम और इटारसी पहुंचेगी। इसके बाद यह हरदा, खंडवा और भुसावल होते हुए पुणे के हडपसर स्टेशन तक जाएगी।

ग्वालियर में अवैध कॉलोनियों का 'सरकारी मॉडल'

रोक के आदेश, फिर भी रजिस्ट्री-बिजली कनेक्शन धड़ल्ले से जारी

ग्वालियर। अवैध कॉलोनियों पर सख्ती के दावे करने वाली सरकार के अपने ही विभाग इस खेल को बढ़ावा दे रहे हैं। जिला प्रशासन और नगर निगम जहां मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1956 और नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 के तहत कार्रवाई कर रहे हैं, वहीं रजिस्ट्रार कार्यालय इन्हीं कॉलोनियों के प्लॉट की खुलेआम रजिस्ट्री कर रहा है।

स्थिति यह है कि जिन कॉलोनियों को प्रशासन ने नोटिस देकर अवैध घोषित किया, उन्हीं में खरीद-फरोख्त का सरकारी रिकॉर्ड भी तैयार हो रहा है। नगर निगम ने धारा 292-ष्ट के तहत अवैध कॉलोनियों में विकास और लेन-देन पर रोक लगाई है। साथ ही नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम की धारा 30 व 31 के अनुसार बिना अनुमति कॉलोनी विकसित करना अपराध है। इसके बावजूद रजिस्ट्रार कार्यालय को लिखे गए पत्रों का असर नहीं दिख रहा और रजिस्ट्री लगातार जारी है। दूसरी ओर बिजली कंपनी भी इन कॉलोनियों को वैधता का रास्ता दे रही है। सिर्फ रजिस्ट्री या नोटरी, आधार कार्ड और बैंक पासबुक के आधार पर बिजली कनेक्शन दिए जा रहे हैं।

दोपहर मेट्रो

जंबूरी मैदान में शौर्य यात्रा से सियासी संदेश की तैयारी

लोधी सम्मेलन में साथ दिखेंगे उमा भारती और प्रहलाद पटेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल के जंबूरी मैदान में कल 28 अप्रैल को स्वतंत्रता संग्राम के भूले-बिसरे नायकों और जनजातीय वीरों को सम्मान देने के उद्देश्य से बड़े स्तर पर शौर्य यात्रा आयोजित की जाएगी। क्रांतिवीर नर्मदा टाइगर हिरदेशाह लोधी के बलिदान दिवस पर होने वाले इस आयोजन के राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। इसे लोधी समाज के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है।

कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय लोधी, लोधा, लोध क्षत्रिय महासभा मध्यप्रदेश, नर्मदा टाइगर हिरदेशाह शोध संस्था और गोंड महासभा द्वारा किया जा रहा है। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि होंगे, जबकि पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल अध्यक्षता करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती की मौजूदगी को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं, हालांकि उनका कार्यक्रम अभी अंतिम रूप से तय नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि वह उत्तराखंड प्रवास के बीच भोपाल पहुंचने का प्रयास कर रही हैं। यदि उमा भारती और प्रहलाद पटेल एक मंच साझा करते हैं तो इसे लोधी समाज में उनके प्रभाव और भाजपा के भीतर नए राजनीतिक संकेतों के तौर पर देखा जा सकता है। उमा भारती हाल के महीनों में फिर से सक्रिय नजर आ रही हैं और 2029 लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा भी जाहिर कर चुकी हैं।

30 सीटों पर लोधी समाज का प्रभाव - मध्य प्रदेश की करीब 25 विधानसभा सीटों पर लोधी समाज का प्रभाव माना जाता है। खासतौर पर ग्वालियर-चंबल और बुंदेलखंड क्षेत्र की कई सीटों पर यह वोट बैंक चुनावी नतीजों को प्रभावित करता है। शिवपुरी जिले की चार विधानसभा सीटों पर भी समाज की मजबूत पकड़ मानी जाती है।

प्रीतम लोधी प्रकरण के बाद बढ़ी राजनीतिक चर्चा

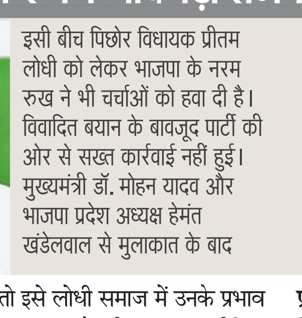

इसी बीच पिछोर विधायक प्रीतम लोधी को लेकर भाजपा के नरम रुख ने भी चर्चाओं को हवा दी है। विवादित बयान के बावजूद पार्टी की ओर से सख्त कार्रवाई नहीं हुई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से मुलाकात के बाद प्रीतम लोधी ने खेद जताया था। जानकारों का मानना है कि यह आयोजन भाजपा नेतृत्व को लोधी समाज की राजनीतिक हिस्सेदारी का संदेश देने की कोशिश भी हो सकता है। उमा भारती पहले भी समाज को अपने हितों के आधार पर राजनीतिक निर्णय लेने की बात कह चुकी हैं।

आयोजकों का दावा- वीरों को सम्मान देना मकसद

वहीं, आयोजकों का कहना है कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इतिहास के उन वीरों को सम्मान देना है, जिन्हें पर्याप्त पहचान नहीं मिल सकी। शौर्य यात्रा में हिरदेशाह लोधी, गोंड राजा डेलन शाह, नरवर शाह, मधुकर शाह बुंदेला और गजराज सिंह समेत कई स्वतंत्रता सेनानियों एवं जनजातीय योद्धाओं को याद किया जाएगा। प्रदेशभर के साथ अन्य राज्यों से भी समाज के लोगों के शामिल होने की संभावना है। ऐसे में यह आयोजन ऐतिहासिक विरासत को सम्मान देने के साथ-साथ आगामी राजनीतिक समीकरणों से पहले लोधी समाज की ताकत के प्रदर्शन के तौर पर भी देखा जा रहा है।

झकझोर देने वाली घटनाएं

देश में आए दिन अपराध की खबरें सामने आती रहती हैं, लेकिन हाल ही में घटी दो दर्दनाक घटनाओं ने समाज को गहरे तक हिला दिया है। उत्तर प्रदेश और हरियाणा में हुई इन वारदातों ने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर हमारे समाज में ऐसा क्या बदल रहा है, जिससे इंसान इतनी कठोरता तक पहुंच जा रहा है। यूपी के कानपुर में 11 साल की जुड़वां बेटियों की पिता द्वारा हत्या और हरियाणा के कुरुक्षेत्र में दुर्लभ बीमारी की शिकार तीन साल की मासूम बेटी की हत्या के बाद दंपती द्वारा खुदकुशी की घटना ने झकझोर दिया है। इन घटनाओं के बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या हम रिश्तों की अहमियत भूलते जा रहे हैं? पारिवारिक तनाव, मानसिक दबाव और आपसी अविश्वास अब गंभीर रूप लेता दिखाई दे रहा है। पहले जहां परिवार और समाज मिलकर समस्याओं का समाधान खोजते थे, वहीं अब लोग अपनी परेशानियों को अकेले झेलने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों और समाजशास्त्रियों का मानना है कि आधुनिक जीवनशैली और एकल परिवार व्यवस्था ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है। संवाद की कमी और भावनात्मक दूरी के चलते छोटे-छोटे विवाद भी बड़े संकट में बदल जाते हैं। कई मामलों में लोग मानसिक रूप से इतना टूट जाते हैं कि गलत कदम उठा लेते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि समाज और प्रशासन दोनों को इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। मोहल्ला समितियों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, ताकि लोग अपनी समस्याएं साझा कर सकें और समय रहते समाधान मिल सके। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है। जहां एक ओर यह लोगों को जोड़ता है, वहीं दूसरी ओर वास्तविक रिश्तों में दूरी भी बढ़ा रहा है। लोग आभासी दुनिया में व्यस्त हैं, जबकि वास्तविक जीवन में संबंध कमजोर पड़ते जा रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि परिवारों में संवाद बढ़ाया जाए और आपसी विश्वास को मजबूत किया जाए। यदि समय रहते इस दिशा में प्रयास नहीं किए गए, तो समाज के सामने और भी गंभीर चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है, बल्कि सामाजिक और मानवीय मूल्यों को बचाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

अमेरिका के लिए बम से बड़ा संकट हो सकता है 'हिंदुस्तानी' का एक झटका

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति के आए दिन भारतीयों के विरुद्ध दिए जा रहे बयानों और कुछ कदमों का एक गांधीवादी जवाब हिन्दुस्तानियों के पास है। ट्रम्प और उनकी चंडाल चौकड़ी ही नहीं दुनिया को भारतीयों की ताकत का अहसास हो सकता है। इसके लिए किसी बम, प्रतिबन्ध की जरुरत भी नहीं होगी। जिस तरह आज़ादी से पहले अंग्रेजों के विरुद्ध भारत छोड़ो का नारा लगाया गया था, उसी तर्ज पर यदि अमेरिका में बसे भारतवंशी तिरंगा लेकर केवल एक नारा हिन्दुस्तानियों भारत वापस चलो और विमानों, लगा जहाजों से यात्रा की बुकिंग शुरु कर दें। मिस्टर ट्रम्प शायद पहले इसे मजाक समझें। लेकिन यदि कोई उन्हें बताए कि सचमुच अधिकांश हिंदुस्तानी अमेरिका से चले गए, तो अस्पतालों में हाहाकार के साथ कितने लोगों ही की जान जा सकती है। अमेरिकी कंपनियों के कामकाज ठप्प होने से अरबों डालर का नुकसान हो सकता है।

हाल ही में अमेरिका के कार्नेगी सर्वे के अनुसार, 40त्र भारतीय अमेरिकी अमेरिका छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। राजनीतिक मोहभंग, जटिल इमिग्रेशन (लंबे ग्रीन कार्ड इंतजार), बढ़ती महंगाई और भेदभाव इसके प्रमुख कारण हैं. अमेरिकन ड्रीम अब टूट रहा है, जिससे वे अस्थिरता महसूस कर रहे हैं। फरवरी और अप्रैल 2026 के बीच आए कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय अब एक 'टर्बुलेंस' यानी अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। सर्वे के मुताबिक, करीब 40त्र भारतीय अमेरिकी अब अमेरिका छोड़ने के बारे में गंभीरता से विचार कर रहे हैं। यह कोई छोटी संख्या नहीं है. यह उस समुदाय की बात हो रही है जो अमेरिका की कुल आबादी का महज 1.5त्र होने के बावजूद वहां के टैक्स बेस में 6त्र का योगदान देता है। लेकिन आज ये 'सबसे कामयाब माइनॉरिटी' खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है

पलायन की सोच रखने वाले 58त्र लोगों ने सबसे बड़ी वजह 'राजनीतिक माहौल' को बताया है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान ध्रुवीकरण काफी बढ़ा है। 71त्र भारतीय अमेरिकी ट्रंप के कामकाज से असंतुष्ट हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि धार्मिक समावेश और अपनेपन की भावना में आई कमी ने भारतीयों को बेचैन कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ट्रंप प्रशासन की कुछ नीतियों ने भी यह संदेश दिया है कि 'अमेरिका सिर्फ अमेरिकियों के लिए है', जिससे भारतीयों के मन में अपनी पहचान को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। दूसरी तरफ पिछले दस बारह वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी नीतियों से भारत में हो रहे सामाजिक आर्थिक बदलावों से प्रवासी भारतियों के बीच मोदी और भारत के सुनहरे भविष्य का आकर्षण बढ़ता जा रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अमेरिका की स्वास्थ्य व्यवस्था विश्व की सबसे उन्नत प्रणालियों में मानी जाती है, लेकिन इसकी मजबूती में एक बड़ा योगदान भारतीय मूल के डॉक्टरों, नर्सों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों का है। पिछले 50-60 वर्षों में भारत से गए चिकित्सा पेशेवरों ने न केवल चिकित्सा सेवाओं की कमी को पूरा किया, बल्कि शोध, शिक्षा और नीति निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभाई है। अमेरिका में कुल डॉक्टरों की संख्या लगभग 9.8-9.9 लाख है। इनमें से लगभग 26.5त्र (2.6 लाख) डॉक्टर प्रवासी हैं। भारतीय मूल के डॉक्टरों की संख्या लगभग 60 हजार से 1 लाख के बीच आंकी जाती है। कुल अमेरिकी डॉक्टरों में भारतीय मूल के डॉक्टरों का हिस्सा लगभग 8.5त्र-9त्र है। हर 5 में से 1 प्रवासी डॉक्टर भारतीय है। इसका अर्थ है कि अमेरिका की स्वास्थ्य व्यवस्था भारतीय डॉक्टरों के बिना अधूरी है। इसी तरह अमेरिका में लगभग 34 लाख नर्स हैं, जिनमें से करीब 16त्र प्रवासी हैं। भारतीय नर्सों की संख्या लगभग 30,000-35,000 के बीच है। भारत, अमेरिका में नर्सों का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत देश है। भारतीय नर्सें अस्पतालों, वृद्धाश्रमों और आपात कालीन यूनिट जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अमेरिका में हजारों भारतीय छात्र मेडिकल शिक्षा (एम् डी , रेसीडेंसी में हैं 7 एक अनुमान के अनुसार 10 से 12 हजार भारतीय छात्र/रेजिडेंट प्रशिक्षण में हैं। मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर, डीन और विभागाध्यक्ष , रिसर्च लैब में वैज्ञानिक , सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में भारतीय मूल के विशेषज्ञ प्रमुख भूमिका निभाते हैं। जैसे हार्वर्ड मेडिकल स्कूल , जॉन्स हॉपकिन्स , मेयो क्लिनिक और नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ हेल्थ। अमेरिकी डॉक्टर अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों में काम नहीं करना चाहते हैं। भारतीय डॉक्टर बड़ी संख्या में ग्रामीण और गरीब इलाकों में सेवा देते हैं। भारतीय डॉक्टर बहुभाषी और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील होते हैं। इससे मरीजों का विश्वास बढ़ता है। महामारी और आपदा कोविद 19 जैसे संकट में भारतीय मूल के डॉक्टर अग्रिम पंक्ति में रहे। डॉक्टर और नर्स उच्च आय वर्ग में आते हैं। वे टैक्स, उपभोग और निवेश के माध्यम से अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं। यदि ये डॉक्टर न हों, तो अमेरिका को भारी आर्थिक नुकसान और स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़े। भारतीय मूल के वैज्ञानिक दवाओं के विकास , ए आई आधारित चिकित्सा , बायोटेक्नोलॉजी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कई भारतीय मूल के डॉक्टर अमेरिका में शीर्ष पदों पर रहे हैं। ये लोग नीति निर्माण और वैश्विक स्वास्थ्य रणनीति को प्रभावित करते हैं। यदि ये डॉक्टर नर्स, विशेषज्ञ अमेरिका को गुडबाय बोलकर चल दें , तो ट्रम्प की कौन सी मिसाइल अमेरिकियों की जान बचाएगी। यही नहीं ट्रम्प की गालियों के शिकार चीनी भाई भी चल दें तो अमेरिकी अस्पतालों पर ताले और कोरोना महामारी से अधिक लाशों के ढेर ट्रकों पर लादना मुश्किल होगा। दुनिया समझने लगी है कि 21वीं सदी को यदि ज्ञान और तकनीक की सदी कहा जाए तो इसमें भारतीय मूल के लोगों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से अमेरिका में, भारतीय मूल के वैज्ञानिक, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, उद्यमी और शिक्षाविद न केवल तकनीकी और वैज्ञानिक प्रगति में योगदान दे रहे हैं, बल्कि आर्थिक विकास, नवाचार और नीति निर्माण में भी निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।विभिन्न अनुमानों के अनुसार, अमेरिका में कुल वैज्ञानिकों में लगभग 10-12त्र भारतीय मूल के हैं। यह संख्या हजारों में है और प्रमुख रूप से भौतिकी , कंप्यूटर विज्ञान , जैव-प्रौद्योगिकी ,चिकित्सा अनुसंधान क्षेत्रों में केंद्रित है। इसका अर्थ यह है कि हर 8-10 वैज्ञानिकों में से लगभग 1 भारतीय मूल का हो सकता है। 2025 में 26 भारतीय मूल के वैज्ञानिकों को नेशनल अकेडमी ऑफ़ इन्वेंटर्स का फैलो चुना गया, जो उनकी वैश्विक भूमिका को दर्शाता है। भारतीय मूल के वैज्ञानिकों ने नासा के मंगल, चंद्र मिशन और सैटेलाइट सिस्टम्स में प्रमुख भूमिका निभाई है।अमेरिका की टेक कंपनियों में भारतीयों का अत्यधिक प्रभाव है।अमेरिका के विश्वविद्यालयों में लगभग 22,000 भारतीय मूल के प्रोफेसर/फैकल्टी सदस्य हैं। शीर्ष संस्थानों में भारतीय मूल के डीन, निदेशक और शोध प्रमुख हैं। भारतीय छात्र अमेरिका में सबसे बड़ी विदेशी छात्र आबादी में शामिल हैं। ट्रम्प कुछ भी कहे , अमेरिकी अर्थव्यवस्था में भारतवंशियों का बहुत बड़ा योगदान है। इसलिए, ट्रम्प या उनकी तरह भविष्य में भारत विरोधी राग अलापे जाने पर हिंदुस्तानी आओ भारत लौट चलें का एक शंखनाद अमेरिका की जमीन हिला सकता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बाहरी खतरों से सुरक्षा के लिए समुद्र की गहराइयों में भारत की शक्ति

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

आधुनिक युग में युद्ध की प्रकृति ने पारंपरिक सीमाओं को पूरी तरह पार कर लिया है। अब यह केवल टैंकों, विमानों या सैनिकों तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि एक बहुआयामी, जटिल और तकनीक-प्रधान प्रक्रिया बन चुका है, जिसमें ड्रोन, साइबर हमले, अंतरिक्ष-आधारित निगरानी प्रणालियाँ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हाइपरसोनिक मिसाइलें एक साथ कार्य करती हैं। इस परिवर्तित परिदृश्य में युद्ध किसी एक भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समुद्र, आकाश, भूमि और साइबर स्पेस के बीच निरंतर समन्वय के रूप में संचालित होता है। ऐसे वातावरण में भारत जैसी उभरती क्षेत्रीय एवं वैश्विक शक्ति के लिए अपनी सुरक्षा रणनीति को पुनर्परिभाषित करना अनिवार्य हो गया है। विशेष रूप से समुद्री क्षेत्र में परमाणु प्रतिरोधक क्षमता का विकास अब विकल्प नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता बन चुका है, क्योंकि यह न केवल भारत की रक्षा क्षमता को सुदृढ़ करता है, बल्कि उसकी वैश्विक सामरिक स्थिति को भी मजबूत बनाता है।

हिंद महासागर क्षेत्र की बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियाँ इस आवश्यकता को और स्पष्ट करती हैं। यह क्षेत्र केवल सामरिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग भी है। विश्व के अधिकांश तेल परिवहन और व्यापारिक जहाज इसी मार्ग से गुजरते हैं, और भारत की ऊर्जा सुरक्षा भी काफी हद तक इसी पर निर्भर करती है। ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता या बाहरी हस्तक्षेप भारत की आर्थिक और रणनीतिक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। चीन की बढ़ती समुद्री उपस्थिति, बंदरगाहों के विकास की उसकी नीति तथा क्षेत्र में उसकी सैन्य गतिविधियाँ भारत के लिए दीर्घकालिक चुनौती प्रस्तुत करती हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान की परमाणु क्षमताओं और उसकी नौसैनिक शक्ति में हो रही वृद्धि भी चिंता का विषय है। इन परिस्थितियों में भारत के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह अपनी समुद्री सुरक्षा को केवल पारंपरिक साधनों तक सीमित न रखे, बल्कि उसे परमाणु प्रतिरोधक क्षमता से भी सशक्त बनाए। समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी संभावित विरोधी को यह स्पष्ट संदेश मिले कि यदि वह परमाणु हमला करता है, तो उसे समान या उससे अधिक प्रभावी जवाब का सामना करना पड़ेगा। यही सिद्धांत 'विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध' की अवधारणा को जन्म देता है, जिसके तहत कोई भी देश अपनी सुरक्षा के लिए उतनी ही परमाणु क्षमता विकसित करता है जितनी संभावित खतरे को रोकने के लिए आवश्यक हो। भारत की 'नो फर्स्ट यूज' नीति भी इसी सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें यह स्पष्ट किया गया है कि भारत पहले परमाणु हथियार का उपयोग नहीं करेगा, लेकिन यदि उस पर हमला होता है, तो वह पूरी क्षमता के साथ जवाब देगा। इस नीति की विश्वसनीयता तभी संभव है जब भारत के पास ऐसी क्षमता हो जो प्रथम हमले के बाद भी सुरक्षित रहे और प्रभावी जवाब दे सके। यही वह स्थान है जहाँ समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता, विशेष रूप से परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियाँ, अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

पनडुब्बियाँ इस संदर्भ में सबसे प्रभावी माध्यम मानी जाती हैं, क्योंकि वे समुद्र की गहराइयों में लंबे समय तक गुप्त रूप से रह सकती हैं और उनका पता लगाना अत्यंत कठिन होता है। यही उनकी 'सेकंड स्ट्राइक क्षमता' को सुदृढ़ बनाता है। अर्थात यदि देश के स्थलीय या हवाई ठिकाने नष्ट भी हो जाएँ, तो समुद्र में मौजूद पनडुब्बियाँ जवाबी हमला करने में सक्षम रहती हैं। यह क्षमता किसी भी विरोधी के लिए एक मजबूत निरोधक तत्व बन जाती है, क्योंकि उसे यह ज्ञात होता है कि वह पूर्णतः सुरक्षित नहीं है। इस प्रकार, समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता केवल युद्ध की स्थिति में ही नहीं, बल्कि शांति बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

भारत ने इस दिशा में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। स्वदेशी तकनीक पर आधारित परमाणु-संचालित पनडुब्बियों का विकास इस बात का संकेत है कि भारत अब अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर है। इन पनडुब्बियों में लंबी दूरी तक मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों की क्षमता होती है, जो उन्हें रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है। इसके साथ ही, आधुनिक तकनीकों जैसे मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल का उपयोग उन्हें और अधिक प्रभावी बनाता है, जिससे एक ही मिसाइल से अनेक लक्ष्यों को साधा जा सकता है। यह क्षमता न केवल सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि विरोधी के लिए रणनीतिक चुनौती भी प्रस्तुत करती है। हालाँकि, केवल पनडुब्बियों का निर्माण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके संचालन, रखरखाव और सुरक्षा के लिए भी एक सुदृढ़ तंत्र की आवश्यकता होती है। परमाणु पनडुब्बियाँ अत्यंत जटिल तकनीकी प्रणालियों पर आधारित होती हैं और उनका संचालन उच्च स्तर की विशेषज्ञता तथा प्रशिक्षण की माँग करता है। इसके अतिरिक्त, साइबर सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण पहलू बन चुकी है, क्योंकि आधुनिक युद्ध में साइबर हमले किसी भी सैन्य प्रणाली को निष्क्रिय कर सकते हैं। यदि पनडुब्बियों के संचार तंत्र या नियंत्रण प्रणाली को हैक कर लिया जाए, तो यह गंभीर खतरा बन सकता है। इसी प्रकार, अंतरिक्ष आधारित निगरानी प्रणालियाँ भी पनडुब्बियों की गोपनीयता को चुनौती दे सकती हैं, जिससे उनकी रणनीतिक उपयोगिता प्रभावित हो सकती है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

समर फ़ूड

शरीर को ठंडक पहुंचाती है रागी, गर्मी में फायदेमंद हैं इसकी खास डिश

फिंगर मिलेट के नाम से जाना जाने वाला रागी पोषक तत्वों से भरपूर एक सुपरफूड है। इसमें मौजूद कैल्शियम, फाइबर और अमीनो एसिड वजन घटाने, हड्डियों को मजबूत बनाने और डायबिटीज को कंट्रोल करने में सहायक हैं। लेकिन मौसम की बात करें तो एक सवाल उठता है कि क्या रागी को गर्मियों में खाया जा सकता है आयुर्वेद में रागी खाने के कई फायदे बताए गए हैं, लेकिन गर्मियों में इसके सेवन के कुछ नियम हैं।

रागी शरीर को ठंडक पहुंचाती है इसलिए गर्मियों में इसका सेवन किया जा सकता है। गर्मी के मौसम में रागी के सेवन से कई लाभ मिलते हैं, जैसे- शरीर का तापमान संतुलित रहता है और शरीर का तापमान संतुलित रहता है। इसमें कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है, जो बोन डेंसिटी बनाए रखने में सहायक है। रागी में मौजूद फाइबर से पेट भरा हुआ महसूस होता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है। कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण यह डायबिटीज के रोगियों के लिए फायदेमंद है।

फर्मेंटेड रागी पाचन क्रिया को बेहतर बनाती है और रागी के सेवन से शरीर में लंबे समय तक ऊर्जा बनी रहती है। गर्मियों में सेवन करते समय कुछ बातों का ध्यान रखने से इसका पूरा लाभ लिया जा सकता है। इस मौसम में रागी को तरल रूप में खाएं, जैसे- रागी की खिचड़ी या दलिया। ड्राई या प्रोसेस्ड रागी खाने से भारीपन महसूस हो सकता है। रागी को बनाने का तरीका निर्धारित करता है कि गर्मियों में इसका सेवन शरीर को कितना लाभ पहुंचा सकता है। गर्मियों में शरीर को ठंडक मिले, बॉडी हाइड्रेटेड रहे और भारीपन महसूस न हो, इसके लिए रागी की निम्नलिखित रेसिपी ट्राई की जा सकती हैं। रागी के आटे, पानी और छाछ से तैयार की गई रागी अंबली रेसिपी गर्मियों के लिए फायदेमंद है। यह रेसिपी गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाने का बेहतरीन उपाय है। डोसा और रागी इडली रेसिपी फर्मेंटेशन द्वारा तैयार की जाती हैं। रागी डोसा और रागी इडली पचने में आसान हैं इसलिए गर्मियों में इनका सेवन सुरक्षित है। रागी के आटे में दूध या पानी मिलाकर बनाई जाने वाली रागी माल्ट ड्रिंक रेसिपी गर्मियों के लिए एक हेल्दी ड्रिंक है। इसे सुबह के समय पीना चाहिए। रागी के आटे में सब्जियां मिलाकर वेजिटेबल पराठा बनाएं और इसे दही के साठ खाएं। हाई फाइबर के कारण रागी के अधिक सेवन से पेट फूलना या भारीपन महसूस हो सकता है। कमजोर पाचन तंत्र वाले लोगों को गर्मियों में रागी का सेवन करने से बचना चाहिए।

निशाना

हार किसकी और किसकी है फतह..!

महेश अग्रवाल

हार किसकी और किसकी है फ़तह कुछ सोचिए
जंग है ज़्यादा ज़रूरी या सुलह कुछ सोचिए
यूं बहुत लंबी उड़ानें भर रहा है आदमी
पर कहीं गुम हो गई उसकी सतह कुछ सोचिए
मौन हैं इंसानियत के कत्ल पर इंसाफ -घर
अब कहाँ होगी भला उसपर जिरह कुछ सोचिए
हर जगह सिंहासनों पर है अंधेरों का वजूद
कौन जाने कब यहाँ होगी सुबह कुछ सोचिए
अब कहाँ ढूंढ़ें भला अवशेष हम ईमान के
खो गई संभावना वाली जगह कुछ सोचिए
दे न पाएं रोटियाँ बारूद पर ख़र्चा करें
या ख़ुदा अब बंद हो ऐसी कलह कुछ सोचिए
आदमी इंसान बनकर रह नहीं पाया यहाँ
क्या तलाशी जाएगी इसकी वजह कुछ सोचिए

यूजर्स गाइड

बंद कर रहा इनएक्टिव सिम, 11 रुपये की सस्ते ऑप्शन से बचा सकते हैं नंबर

अगर किसी की पास Jio का कोई ऐसा सिम है, जिसका सिर्फ इनकमिंग कॉल्स के लिए इस्तेमाल करते हैं और सालभर से रिचार्ज नहीं कराया है तो अपना नंबर बचाने का समय आ गया है। टिप्सटर अभिषेक यादव ने जानकारी दी है कि Jio ने इनएक्टिव नंबर बंद करना शुरू कर दिए हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि आप भी अपना नंबर रिचार्ज करवा लें। ऐसा न करने पर आपका नंबर बंद करके किसी और को अलॉट किया जा सकता है। गौर करने वाली बात है कि अगर एक बार आपका नंबर किसी और को अलॉट कर दिया जाए, तो उसे वापस पाना नामुमकिन हो जाता है। ऐसे में अपने नंबर को बचाने के लिए उसे 90 दिनों में एक बार रिचार्ज कराना जरूरी है। हालांकि अच्छी बात है कि कुछ सस्ते ऑप्शन हैं, जिनके जरिए आप कम से कम खर्च में अपने Jio सिम को एक्टिव रख सकते हैं और नंबर बंद होने से बचा सकते हैं। बता दें कि इसके लिए आप 11 रुपये के किफायती रिचार्ज से लेकर 209 रुपये तक का रिचार्ज करवा सकते हैं। ध्यान रखने वाली बात है कि आप सिम को 90 दिन में एक बार जरूर रिचार्ज करवा लें।

रिपोर्ट्स के अनुसार TRAI के नियम कहते हैं कि 90 दिन तक सिम इनएक्टिव होने पर कंपनी आपके बैलेंस से 20 रुपये काट सकती है। हालांकि इसके लिए आपके सिम में बैलेंस होना चाहिए। आजकल के प्लान बिना किसी तरह का बैलेंस उपलब्ध नहीं कराते। ऐसे में आपका सिम डिएक्टिवेट हो सकता है। कंपनी 90 से 365 दिन तक का समय इनएक्टिव सिम को डिएक्टिवेट करने के लिए ले सकती है।

11 रुपये का रिचार्ज सबसे किफायती: अगर आप कम से कम खर्च में यह सिग्नल कंपनी को देना चाहते हैं कि सिम इस्तेमाल किया जा रहा है और उसे बंद ना किया जाए, तो 11 रुपये का रिचार्ज आपके लिए बेस्ट रहेगा। इसमें आपको 1 घंटे के लिए अनलिमिटेड डेटा मिल जाता है। ऐसे में आपका सिम 90 दिन का जीवनदान पा लेता है। 90 दिन पूरे होने से पहले आप दोबारा 11 रुपये का रिचार्ज कर सकते हैं। नियमों में किसी तरह का बदलाव न होने तक नंबर को बचाने का यह सबसे सस्ता तरीका साबित हो सकता है।

189 का रिचार्ज है दूसरा ऑप्शन: अगर आप 11 रुपये का रिचार्ज करवाकर रिस्क नहीं लेना चाहते, तो 189 का रिचार्ज आपके लिए बेस्ट हो सकता है। इसमें 2 GB डेटा के साथ 28 दिन के लिए अनलिमिटेड कॉलिंग मिल जाती है। क्योंकि यह प्लान वैलेडिटी के साथ आता है, ऐसे में अगले 90 दिनों के लिए आप सिम बंद होने की टेंशन से फ्री रह सकते हैं।

वायरल कंटेंट

तीन बार तलाक के बाद भी नहीं टूटा हौसला, 60 साल साल की डांसर को फिर हुआ प्यार

कहते हैं कि प्यार कभी भी, कहीं भी और किसी भी उम्र में हो सकता है। जब जिंदगी में उम्मीद खत्म लगने लगती है, ठीक उसी समय कोई ऐसा मोड़ आता है जो पूरी कहानी बदल देता है। जापान से आई यह घटना भी कुछ ऐसी ही है, जिसने यह साबित कर दिया कि सच्चा प्यार उम्र, समय और पुराने दर्द को नहीं देखता। दरअसल, यह कहानी जापान की एक 60 साल की पारंपरिक डांसर की है, जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी कला और डांस को समर्पित कर दी। वो इबाराकी प्रान्त की रहने वाली हैं और बचपन से ही मंच पर प्रदर्शन करती आई हैं।

वह एक थिएटर ग्रुप त्सुबाकी (Tsubaki) से जुड़ी हुई हैं, जो जापान की पारंपरिक ताइशु एंगेकी (Taishu Engeki) कला को प्रस्तुत करता है। यह कला ÷लोगों का थिएटर कहलाती है, जिसमें डांस, संगीत, कॉमेडी और इमोशनल कहानियों का सुंदर मिश्रण दिखाया जाता है। इस ग्रुप की शुरुआत उनकी मां ने करीब 40 साल पहले की थी और यह जापान के कई शहरों में शो करता रहा है।

निजी जिंदगी में दर्द और अकेलापन: जहां उनकी प्रोफेशनल लाइफ तालियों से भरी रही, वहीं उनकी निजी जिंदगी दर्द से भरी रही। उन्होंने तीन बार तलाक का सामना किया। इसके बाद उन्होंने लगभग 20 साल तक अकेले रहकर यह मान लिया था कि शायद प्यार अब उनकी जिंदगी में वापस नहीं आएगा। सब कुछ तब बदल गया जब 26 साल का एक ऑफिस कर्मचारी, जो इस पारंपरिक थिएटर कला का बड़ा प्रशंसक था, अचानक इस ग्रुप से जुड़ गया। वह पहले भी इसमें आना चाहता था लेकिन परिवार की वजह से नहीं आ पाया था। एक दिन उसने हिम्मत करके थिएटर ग्रुप जॉइन किया और यहीं से उसकी जिंदगी बदल गई।

गुरु-शिष्य से प्रेम कहानी तक: शुरुआत में दोनों के बीच सिर्फ शिक्षक और छात्र का रिश्ता था। लेकिन धीरे-धीरे यह रिश्ता गहराता चला गया। पहली मुलाकात में ही दोनों एक-दूसरे से प्रभावित हो गए थ। केवल तीन दिनों के अंदर ही महिला ने खुलकर अपनी भावनाएं व्यक्त कर दीं। समय के साथ दोनों का रिश्ता और मजबूत होता गया। स्टेज पर वो हमेशा प्रेमी जोड़ों का किरदार निभाते थे, और धीरे-धीरे वही भावनाएं असल जिंदगी में भी बदल गईं। उन दोनों के बीच उम्र का बड़ा अंतर था युवक महिला से 34 साल छोटा था। यहां तक कि युवक की मां से भी वह 9 साल बड़ी थीं। शुरुआत में परिवार को यह रिश्ता स्वीकार करने में मुश्किल हुई, लेकिन समय के साथ उन्होंने भी महिला को समझा और स्वीकार किया। काफी समझ और समय के बाद दोनों ने शादी कर ली और अपनी नई जिंदगी की शुरुआत की। अब उनका परिवार भी उनके साथ खुशी से जुड़ा हुआ है। युवक की मां उन्हें एक बड़ी बहन की तरह मानती हैं और घर में सम्मान देती हैं।

न्यूज विंडो

पर्यावरण संरक्षण : मॉर्निंग वॉक ग्रुप का श्रमदान, पौधों के बनाए घेरे

गंजबासौदा। शासकीय संजय गांधी कॉलेज परिसर में रविवार को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। यहां भ्रमण पर आने वाले मॉर्निंग वॉक ग्रुप के सदस्यों ने पंचतत्व संरक्षण समिति द्वारा लगाए गए पौधों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए सामूहिक श्रमदान किया। पंचतत्व समिति पिछले छह वर्षों से जनसहयोग से कॉलेज परिसर में करीब 80 पौधे रोप चुकी है। इन पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी समिति के सदस्य निरंतर निभा रहे हैं। समिति के प्रमोद राजपूत, बृजेंद्र दांगी ने बताया कि गर्मी में पौधों की जड़ों तक पर्याप्त पानी पहुंचाने और नमी बनाए रखने के लिए मिट्टी के थाला (घेरे) बनाना जरूरी होता है। इसी उद्देश्य से मॉर्निंग वॉक ग्रुप के सदस्यों ने मैदान से मिट्टी लाकर पौधों के चारों ओर थाला तैयार किए, ताकि अधिक पानी भरकर पौधों को सुरक्षित रखा जा सके। वर्तमान में पौधे करीब 10 फीट तक बढ़ चुके हैं। श्रमदान में राजाराम रघुवंशी, जगदीप सिंह राजपूत, अखिलेश सिंह राजपूत, संतोष सेन, चतरसाल कुशवाह, महेश रघुवंशी, सुरेंद्र रघुवंशी, दिनेश नामदेव, सुनील यादव, मनमोहन सचान, अजब सिंह प्रजापति, राजेंद्र बघेल, निशांत चौरसिया, हाकम सिंह राजपूत, बलवीर दांगी, धनराज सोनी, प्रभात श्रीवास्तव, जितेंद्र पाराशर सहित अनेक लोगों ने योगदान दिया।

पति ने पत्नी के निजी फोटो-वीडियो वायरल किए, सालभर पहले हुई है शादी

सागर। जिले के बीना के भानगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली नवविवाहिता ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि पति ने उसके निजी पलों के फोटो और वीडियो मोबाइल से बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए हैं। इतना ही नहीं नवविवाहित पीड़िता का ये भी आरोप है कि शादी के बाद से ही पति उसे 50 हजार रुपये नकद और बाइक की मांग पूरी न होने के कारण मारपीट कर प्रताड़ित कर रहा है। नवविवाहिता ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया है कि उसकी शादी एक साल पहले 30 अप्रैल 2025 को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद से ही पति नकद और बाइक की मांग करने लगा। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट और गाली-गलौज की जाने लगी। वो सबकुछ ये सोचकर सहन करती रही कि वक्त के साथ सब ठीक हो जाएगा लेकिन हालात नहीं सुधरे। पीड़िता के मुताबिक पति पहले उसके परिवार में एक दूसरी लड़की को देखने आया था, लेकिन बाद में मुझसे शादी करने की जिद पर अड़ गया। परिवार की सहमति से विवाह हुआ, लेकिन अब विवाह के बाद प्रताड़ित करने लगा। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पति, सास-ससुर, देवर-देवरानी पर दहेज एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में ले लिया है। नवविवाहिता ने बताया कि उसे अपने प्राइवेट फोटो और वीडियो वायरल होने के बारे में पता नहीं था। 21 अप्रैल को देवर ने उससे कहा कि तुम्हारे अश्लील वीडियो उसके पास हैं। पीड़िता के मुताबिक पति ने निजी पलों के कुछ फोटो लिए थे और कहा था कि वो उन्हें बाद में डिलीट कर देगा लेकिन उसने ऐसा नहीं किया और फोटो-वीडियो वायरल कर दिए। पीड़िता का ये भी आरोप है कि पति की गंदी नजर उसकी 16 वर्षीय छोटी बहन पर है। एक कार्यक्रम के दौरान वो नाबालिग छोटी बहन को अपने साथ भागने के लिए भी कह चुका है।

खाटू श्याम जाते समय बच्ची को रास्ते में लावारिस छोड़ने के मामले में नया खुलासा

दंपती ने 1 लाख में खरीदी थी दुधमुंही बच्ची, ह्यूमन ट्रैफिकिंग का निकला मामला, 4 आरोपी गिरफ्तार

श्योपुर/राजगढ़। दोपहर मेट्रो

श्योपुर में मासूम बच्ची को मनहूस समझकर लावारिस हालत में सुनसान रास्ते पर राजगढ़ के दंपती के द्वारा छोड़े जाने के मामले में रविवार को पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक मानवता को शर्मसार करने वाले मूंदड़ा दंपति ने रोड पर लावारिस हाल में छोड़ी गई बच्ची को एक लाख रुपए में खरीदा था। पूरा मामला ह्यूमन ट्रैफिकिंग से जुड़ा हुआ है। इस मामले में पुलिस ने इंदौर से ब्यूटी पार्लर संचालक महिला सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस जांच ने बड़ा मोड़ लिया है, पहले केवल बच्ची को छोड़ने का मामला सामने आया था, लेकिन अब बच्चों की खरीद-फरोख्त का नेटवर्क उजागर हुआ है। पुलिस के अनुसार आरोपी आकाश मूंदड़ा और कृतिका मूंदड़ा ने छह दिन की बच्ची को एक लाख रुपए में खरीदा था। यह बच्ची तीन महिलाओं के जरिए होते हुए मूंदड़ा दंपती तक पहुंची। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि एक महिला ने दूसरी से और उसने तीसरी महिला से बच्ची ली थी, जिसे किसी अस्पताल से लाया गया था। हालांकि बच्ची को अस्पताल से चोरी किया गया या उसके वास्तविक माता-पिता से खरीदा गया, इसकी जांच जारी है।

खरीद-फरोख्त के नेटवर्क की आशंका

रविवार को मामले का खुलासा करते हुए श्योपुर एसपी सुधीर कुमार अग्रवाल ने बताया कि अब तक कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर तीन दिन की रिमांड पर लिया गया है। पूछताछ के आधार पर पुलिस बच्ची के जैविक माता-पिता की तलाश में जुटी है। जांच में यह भी सामने आया है कि यह केवल एक बच्ची का मामला नहीं हो सकता। पुलिस को आशंका है कि आरोपी महिलाओं का नेटवर्क अन्य बच्चों की खरीद-फरोख्त में भी सक्रिय हो सकता है। आरोपियों के तार इंदौर, धार और खरगोन से जुड़े बताए जा रहे हैं। मामले में बीएनएस की धारा 93, 98, 99 और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की धारा 81 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

पहले गोद लेने की बात, पूछताछ में सच उजागर

मूंदड़ा दंपती ने प्रारंभ में बच्ची को गोद लेने की बात कही थी और आर्थिक तंगी के कारण उसे छोड़ने का कारण बताया था। हालांकि पुलिस को संदेह हुआ और सख्ती से पूछताछ करने पर उन्होंने एक लाख रुपए में बच्ची खरीदने की बात स्वीकार कर ली। इसके बाद पुलिस टीम इंदौर भेजी गई, जहां से ब्यूटी पार्लर संचालिका, उसके पति और दो अन्य महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी दंपती राजगढ़ जिले से मेहंदीपुर बालाजी और खाटूश्याम की यात्रा पर निकले थे। उनका प्रारंभिक प्लान बच्ची को मंदिर में छोड़ने का था, लेकिन श्योपुर के सोईंकला क्षेत्र में सुनसान स्थान देखकर वहीं छोड़ दिया।

शादी में गया परिवार, घर से जेवर सहित नकदी ले गए चोर

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शहर के वार्ड क्रमांक 1 स्थित चंद्र प्रभु कॉलोनी में चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। अज्ञात बदमाश घर के ताले तोड़कर अंदर घुसे और करीब 8 से 10 लाख रुपये का माल समेटकर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार मकान मालिक पारस जैन परिवार सहित शादी समारोह में शामिल होने शहर से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने घर में घुसकर करीब 6 तोला सोने के जेवर तथा लगभग डेढ़ लाख रुपये नकद चोरी कर लिए। घटना की सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा क्षेत्र में पूछताछ भी की जा रही है।

महिला से धुलवाई एम्बुलेंस, उल्टी करवाई साफ

कटनी। दोपहर मेट्रो

कटनी से मानवता को शर्मसार करने वाला वीडियो सामने आया है। यहां के जिला अस्पताल में एक तरफ जहां एक पति जिंदगी और मौत के बीच लड़ रहा था। वहीं, दूसरी तरफ उसकी पत्नी को अस्पताल के बाहर एम्बुलेंस धुलवाई गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो ने एक बार फिर स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए है। अस्पताल प्रबंधन वायरल वीडियो और मामले की जांच कर रहा है।

सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल पति को बचाने की जद्दोजहद में लगी एक महिला को अपमान और मजबूरी का सामना करना पड़ा। उससे ही 108 एंबुलेंस की सफाई करवाई गई। अंदर उसका पति जिंदगी और मौत से जूझ रहा था, जबकि बाहर वह एंबुलेंस पर पानी डालकर उसे साफ कर रही थी। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद

स्वास्थ्य व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं की संवेदनहीनता पर सवाल खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात करेला बरही में रहने वाले एक 32 वर्षीय युवक की सडक़ दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तत्काल 108 एंबुलेंस क्रमांक सीजी 04 एनवी 6385 के माध्यम से जिला अस्पताल लाया गया। रास्ते में घायल युवक की हालत बिगड़ती गई और उसे उल्टियां होने लगीं, जिससे एंबुलेंस गंदी हो गई। अस्पताल पहुंचते ही जहां एक ओर डॉक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए इलाज शुरू किया, वहीं दूसरी ओर बाहर खड़ी उसकी पत्नी को एक अलग ही परीक्षा से गुजरना पड़ा। एंबुलेंस कर्मचारी ने महिला को ही वाहन की सफाई करने के लिए मजबूर किया। पति की गंभीर स्थिति और मानसिक तनाव के बीच महिला ने मजबूरी में एंबुलेंस पर पानी डालकर उसे साफ किया।

मामले का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। इस वीडियो में महिला एम्बुलेंस पर पानी डालकर उसे धोती हुई नजर आ रही है। इसी वायरल वीडियो में महिला खुद कहती नजर आ रही है कि वह कर्मचारी के कहने पर ये काम कर रही है। बता दें कि, मरीज या मरीज के परिजनों से एम्बुलेंस धुलवाने वाला कोई पहला मामला नहीं है। मरीज के परिजन से एंबुलेंस वाहन साफ करवाने का मामला संज्ञान में आया है। अधिकारियों ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच करवाई जा रही है और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 65 मरीजों का किया परीक्षण, दवाइयां वितरित

गंजबासौदा।। दोपहर मेट्रो

श्यामणि चिकित्सालय में वरिष्ठ समाजसेवी बसंत शर्मा, स्व. नारायण सदाशिव पिंगले सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुनील बाबू पिंगले एवं विजय शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विदिशा से आई महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्पणा शर्मा, वैद्यराज निहाल सिंह पंथी एवं डॉ. अशोक रोहले ने विभिन्न रोगों से पीड़ित करीब 65 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवाइयों का वितरण किया।

इस दौरान सामिद भाई राजस्थान वाले ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। बसंत शर्मा एवं सुनील बाबू पिंगले ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने चिकित्सकों एवं सहयोगियों की सराहना करते हुए कहा कि आगामी दिनों में ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसी तरह के शिविर लगाए जाएंगे, ताकि निर्धन एवं असहाय लोगों को लाभ मिल सके। शिविर में अंशुल रोहले, विजय अरोरा, पत्रकार आशीष रघुवंशी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वार्ड क्रमांक 18 में हुआ विकास कार्यों का भूमि पूजन

32 लाख से अधिक की राशि से बनेगी सीसी रोड, होंगे अन्य विकास कार्य

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नगरपालिका द्वारा नगर में विकास कार्य किए जा रहे हैं। वार्ड क्रमांक-18, शिव कॉलोनी में 32 लाख से अधिक की राशि से बनने वाली सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन अतिथिगणों द्वारा किया गया। साथ ही राज्यसभा सांसद माया नारोलिया द्वारा अपनी निधि से नगरपालिका को दो पानी के टैंकर प्रदान किए गए। जिन्हें हरी झंडी दिखाकर अतिथिगणों द्वारा रवाना किया गया। कार्यक्रम में नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा स्वागत भाषण दिया गया एवं कार्यक्रम की रूपरेखा बताई।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में सांसद दर्शनसिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले, वार्ड पार्षद एवं पूर्व नगर पालिका

अध्यक्ष मीना वर्मा, सागर शिवहरे, गोकुल पटेल, रुपेश राजपूत, राजेश तिवारी, उमेश पटेल, शैलेन्द्र, राजेन्द्र गौर, राहुल सोलंकी, लक्ष्मण बैस, रोहित गौर, आनंद दुबे, अतुल भंडारी, पंकज पांडे, दुर्गेश मिश्रा सहित अन्य गणमान्य कार्यकर्ता-वार्डवासी उपस्थित रहे। नपा में उपयंत्री और कार्यप्रभारी दीक्षा तिवारी ने बताया कि वार्ड 18 में 32 लाख से अधिक की राशि के आज भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस भूमिपूजन कार्यक्रम में नगर पालिका निकाय निधि द्वारा लगभग 20 लाख 50 हजार, राज्यसभा सांसद निधि 5 लाख एवं सांसद निधि से 1 लाख 50 रुपए एवं अन्य निधि से विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया।

नर्मदापुरम में जेल लोक अदालत

13 साल पुराने चेक बाउंस केस का समझौते से निपटारा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम ने केन्द्रीय जेल में विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन किया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती तृप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम जेल प्रशासन के सहयोग से संपन्न हुआ। लोक अदालत का वर्चुअल उद्घाटन उच्च न्यायालय जबलपुर के मुख्य न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा और ग्वालियर खंडपीठ के न्यायमूर्ति आनंद पाठक ने किया। जेल के खंड-अ में गठित न्यायिक खंडपीठ में पीठासीन अधिकारी के रूप में के. शिवानी (न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी) और सुलहकर्ता सदस्य के रूप में हेमेन्द्र सिंह ठाकुर (पैनल अधिवक्ता) रहे। इसमें 2013 से लंबित धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम का एक केस दोनों पक्षों और उनके वकीलों की मौजूदगी में समझौते के आधार पर निपटाया गया। पीठासीन अधिकारी ने लोक अदालत के फायदे बताए और चर्चा के बाद अभियुक्त को जेल से रिहा करने के आदेश जारी किए। कार्यक्रम में तृप्ति शर्मा, फिरोज अख्तर (मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट), दिव्या मित्तल, के. शिवानी, श्रीति अतुलकर, विशाखा गोटवार समेत कई मजिस्ट्रेट, जिला विधिक अधिकारी अभय सिंह, जेल अधीक्षक संतोष सिंह सोलंकी, उपाधीक्षक प्रहलाद सिंह बरकड़े, सहायक जेल अधीक्षक हितेश बंडिया, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल सतीश तिवारी, सुलहकर्ता हेमेन्द्र सिंह ठाकुर, अभियुक्त के वकील रीतेश तिवारी, परिवादी के वकील चैनसिंह मीना तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर | 41 फीट विशाल शिवलिंग दर्शन एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का शुभारंभ

धरा पर आ चुके हैं शिव, फिर मत कहना बताया नहीं: ब्रह्माकुमारी रुक्मणी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय बरेठ रोड स्थित सेवा केंद्र पर 41 फीट विशाल शिवलिंग दर्शन एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक हरिसिंह रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव, गिनीज बुक रिकॉर्डधारी आशीष भाई एवं गणमान्य नागरिकों ने दीप प्रज्वलित कर किया। ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य परमात्मा शिव के सत्य स्वरूप को जानना और याद करना है, जिससे जीवन के विकार समाप्त होंगे। उन्होंने कहा कि शिव निराकार, ज्योति बिंदु स्वरूप परमपिता हैं, जो कलियुग में ज्ञान का प्रकाश देने आते हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव ने कहा कि ब्रह्माकुमारी जैसी संस्थाएं समाज को नकारात्मकता

से सकारात्मकता की ओर ले जा रही हैं। यहां का मेडिटेशन जीवन परिवर्तन का माध्यम है। सेवा केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी ने कहा कि परमात्मा शिव का शारीरिक जन्म नहीं होता, इसलिए उनकी जयंती शिवरात्रि कहलाती है। उन्होंने कहा कि परमात्मा को धरा पर आए 90 वर्ष हो चुके हैं और अगले 10 वर्षों में विश्व परिवर्तन का कार्य पूर्ण होगा। इसी संदेश के लिए 41 फीट शिवलिंग के दर्शन कराए जा रहे हैं। विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। एसडीओपी शिखा भलावी ने भी विचार व्यक्त किए। नंदिनी दीदी ने बताया कि कार्यक्रम 30 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक चलेगा, जिसमें झांकियां, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं शिक्षाप्रद नाटक होंगे।

कर्बला पुल पर हाईवोल्टेज हंगामा

महिला ने सरेराह अधेड़ को पीटा; सड़क बनी अखाड़ा

सीहोर। दोपहर मेट्रो

शहर के व्यस्त कर्बला पुल पर उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब एक महिला ने बीच सड़क पर एक अधेड़ व्यक्ति को बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। इस हाई वोल्टेज ड्रामे का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने कानून-व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, महिला का गुस्सा इस कदर भड़का हुआ था कि उसने बिना किसी डर के सड़क के बीचों-बीच अधेड़ पर थप्पड़ों और लात-घूंसों की बौछार कर दी। आसपास खड़े लोग पहले तो समझ नहीं पाए कि मामला क्या है, लेकिन देखते ही देखते यह झगड़ा हिंसक रूप ले बैठा। घटना के दौरान कई राहगीरों ने महिला को रोकने की कोशिश की, लेकिन वह किसी की सुनने को तैयार नहीं थी। बीच-बचाव करने वालों को भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। महिला बार-बार अधेड़ पर हमला करती रही, जिससे माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया। इस हंगामे का असर यातायात पर भी पड़ा। कर्बला पुल जैसे व्यस्त मार्ग पर अचानक भीड़ जमा हो गई और वाहनों की लंबी कतार लग गई। कुछ लोग तमाशबीन बने रहे तो कुछ मोबाइल निकालकर वीडियो बनाने में जुट गए, जिससे स्थिति और बिगड़ती चली गई। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि महिला किस तरह लगातार अधेड़ को पीट रही है और आसपास मौजूद लोग इस घटना को कैमरे में कैद कर रहे हैं। यह वीडियो शहर में चर्चा का विषय बन गया है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे विवाद की असली वजह अब तक सामने नहीं आ सकी है। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि महिला और अधेड़ के बीच क्या संबंध था और आखिर ऐसा कौन सा कारण था जिसने इस झगड़े को इतनी हिंसक शक्ल दे दी।

पुलिस का बयानः शिकायत का इंतजार

मंडी थाना प्रभारी सुनील मेहर के अनुसार, पुलिस को इस वायरल वीडियो की अभी तक कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि मामला संज्ञान में लिया जा रहा है और यदि कोई शिकायत दर्ज होती है, तो जांच कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।सरेराह इस तरह की घटना ने एक बार फिर शहर की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिनदहाड़े पुल पर हुई इस मारपीट ने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर आम नागरिक कितने सुरक्षित हैं।

गोहपारू थाना क्षेत्र में हुआ दर्दनाक हादसा

शहडोल में शादी की खुशियां मातम में बदली बारातियों से भरा वाहन पलटा, एक की मौत

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र में गत दिवस एक भीषण सड़क हादसा सामने आया, जहां बरातियों को लेकर लौट रहा एक मालवाहक वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार, गोहपारू के सोनटोला गांव से एक बारात शनिवार को छत्तीसगढ़ के मलतढोल गई थी। विवाह समारोह के बाद सभी बाराती रविवार वापस अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम सेमरा तिराहा के पास वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पलट गया। हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए राहत कार्य शुरू किया और घायलों को बाहर निकालकर तत्काल गोहपारू अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना में सुंदर सिंह (40 वर्ष), पिता रामलाल, समेत तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने सुंदर सिंह की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें जिला चिकित्सालय शहडोल रेफर कर दिया, जहां जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस घटना से परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं अन्य घायलों को भी बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

पति के सामने पत्नी को कुचला, मौत, एक चोटिल

अनूपपुर। जिले के ग्राम पंचायत बरबसपुर अंतर्गत भोलगढ़ गांव के जंगल में रविवार दोपहर एक हाथी के हमले में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पति और पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, जिला मुख्यालय से करीब 8 किलोमीटर दूर भोलगढ़ निवासी समयलाल पाव का खेत चटुआ गांव के पास जंगल क्षेत्र में स्थित है। रविवार दोपहर करीब 3 बजे परिवार के पांच सदस्य खेत से काम करके जंगल के रास्ते गांव लौट रहे थे। इसी दौरान कई दिनों से क्षेत्र में विचरण कर रहे हाथी ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हाथी को देखकर सभी लोग जान बचाकर भागने लगे, लेकिन 30 वर्षीय प्रेमवती पाव को हाथी ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसके पति 32 वर्षीय राममनोज पाव और 6 वर्षीय पुत्र दीपक पाव को हाथी ने उठाकर पटक दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को पहले भोलगढ़ गांव लाया गया, जहां से निजी वाहन से जिला चिकित्सालय अनूपपुर भेजा गया। बताया गया कि घटना के बाद हाथी कुछ देर तक घटनास्थल के आसपास ही रहा और ग्रामीणों के शोर मचाने पर जंगल की ओर चला गया।

दिल्ली में पढ़ाई कर रहे छात्र की मोरवा में संदिग्ध मौत हत्या के आरोप पर परिजनों ने किया चक्काजाम

सिंगरौली। दोपहर मेट्रो

जिले के मोरवा थाना क्षेत्र में एक 24 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। शुरुआती तौर पर इसे सड़क हादसा बताया जा रहा है, लेकिन परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए विरोध प्रदर्शन किया और कांटा मोड़ पर चक्काजाम कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान पीपरखड़ निवासी 24 वर्षीय दीपक यादव के रूप में हुई है। वह दिल्ली में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था और इन दिनों अपने दोस्त की बहन की शादी में शामिल होने के लिए गांव आया हुआ था।

जानकारी के अनुसार, दीपक अपने दोस्त की बाइक लेकर बैढ़न गया था। देर रात लौटते समय कांटा मोड़ के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर एनसीएल अस्पताल की मरचुरी में रखवाया। रविवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने इसे हादसा मानने से इनकार करते हुए हत्या का आरोप लगाया। सुबह करीब 11 बजे परिजन और स्थानीय लोग कांटा मोड़ पर एकत्रित हो गए और सड़क जाम कर दी, जिससे यातायात प्रभावित हुआ।

प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और लोगों को समझाकर शांत कराया। करीब तीन बजे जाम खुलवाया जा सका, जिसके बाद यातायात सामान्य हुआ। पुलिस ने परिजनों की शिकायत दर्ज कर ली है। मामले में ज्ञानेंद्र सिंह, थाना प्रभारी मोरवा ने बताया कि पुलिस को मोरवा एक्सप्रेसवे पर शव मिलने की सूचना मिली थी। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि यह हादसा है या कोई साजिश, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

युवक ने पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर दी जान

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

शहर के फिजिकल थाना अंतर्गत एक युवक ने सल्फास खाकर खुदकुशी कर ली थी। अब इस मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी, ससुर और साले को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। वहीं मामले में एक और आरोपी मृतक की साली फिलहाल फरार है जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। सांई बाबा मंदिर के पास रहने वाले एक युवक ने बीते दिनों सल्फास खा लिया था, युवक को परिजन गंभीर हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे थे जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। युवक ने एक साल पहले ही भोपाल निवासी युवती से लव मैरिज की थी और हर रोज छोटी-छोटी

बात पर लड़ाई झगड़े के बाद युवती अपने पति को छोड़कर मायके चली गई थी।

एक साल पहले की थी लव मैरिज

शहर के बाबा मंदिर के पास रहने वाले उत्कर्ष शिवहरे ने 2 फरवरी 2025 को भोपाल निवासी रिया शिवहरे से लव मैरिज की थी। उत्कर्ष के परिजन ने बताया कि शुरूआत के कुछ दिन तो सबकुछ सही चला, लेकिन बाद में रिया के व्यवहार में बदलाव आ गया। छोटी-छोटी बातों पर विवाद करने लगी। तीन महीने पहले रिया अपने मायके चली गई। उत्कर्ष ने कई बार पत्नी को घर लाने का प्रयास किया, लेकिन रिया व ससुराल पक्ष से ससुर जितेन्द्र शिवहरे, साला ध्रुव, साली रियम कई दिन से उत्कर्ष को तरह तरह से परेशान कर रहे थे। इसी से तंग आकर उत्कर्ष ने 19 अप्रैल को सल्फास गटककर खुदकुशी कर ली। मौत से पहले युवक ने प्रताड़ित करने वाले लोगों के नाम लेकर एक वीडियो छोड़ा और उसके बाद पुलिस ने पत्नी सहित ससुर, साले व साली पर दुष्प्रेरण का केस दर्ज कर साली को छोड़ शेष तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सभी को कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेजा गया है। पुलिस ने इस मामले में 23 अप्रैल को चारों आरोपियों के खिलाफ दुष्प्रेरण का मामला दर्ज किया और शनिवार को भोपाल से आरोपी पत्नी रिया, ससुर जितेन्द्र व साले ध्रुव को गिरफ्तार कर लिया। जबकि साली रियम फरार है। उत्कर्ष के परिजन का कहना है कि इन आरोपियों ने मिलकर उनके बेटे की जान ली है। थाना प्रभारी फिजिकल थाना कृपाल सिंह राठौड़ ने बताया कि युवक की खुदकुशी के मामले में चार लोगों पर केस दर्ज किया था। तीन आरोपियों को भोपाल से पकड़ लिया है। एक आरोपी फरार है, उसे भी जल्द

प्रशासन पर सवाल

शहडोल में रेत ठेका ठप-अवैध उत्खनन से करोड़ों का नुकसान

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले में रेत खदानों का ठेका न होने के कारण खनिज राजस्व को भारी नुकसान होने की बात सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार, लगभग 45 करोड़ रुपये के संभावित राजस्व का ठेका लंबित है, जिससे खनन व्यवस्था प्रभावित हो गई है। इस बीच, जिले के कई इलाकों में अवैध रेत उत्खनन तेज़ी से बढ़ने की शिकायतें मिल रही हैं।

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि कई स्थानों पर जेसीबी और पोकलेन मशीनों के जरिए रात-दिन अवैध खनन किया जा रहा है। आरोप यह भी हैं कि पूर्व ठेका कंपनी से जुड़े कुछ लोग समूह बनाकर रेत के अवैध कारोबार को संगठित तरीके से चला रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और गंभीर बताई जा रही है, जहां लगभग हर थाना क्षेत्र में अवैध उत्खनन की गतिविधियां देखी जा रही हैं। इससे न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान हो रहा है, बल्कि पर्यावरण और स्थानीय संसाधनों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इस पूरे मामले में प्रशासनिक स्तर पर निगरानी और कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। नागरिकों का मानना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो नुकसान और बढ़ सकता है। अब निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं। ज़रूरत है कि शहडोल कलेक्टर इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए ठेका प्रक्रिया को जल्द पूरा कराएं और अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि राजस्व हानि पर रोक लगाई जा सके।

पुलिस आसपास के थानों में गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाल रही

पानी की टंकी पर मिला अज्ञात युवक का शव

धार। दोपहर मेट्रो

शहर के गांधी कॉलोनी क्षेत्र में नगर पालिका की पानी की टंकी की छत पर एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ। शव लगभग 5 से 10 दिन पुराना बताया जा रहा है, जो पूरी तरह क्षत-विक्षत हो चुका था। टंकी का वॉलमैन नियमित निरीक्षण के लिए ऊपर पहुंचा तो उसने टंकी की छत पर शव को देखा और कोतवाली थाने में इसकी सूचना दी। जानकारी के अनुसार टंकी की देखरेख करने वाले वॉलमैन इरफान चांद खां करीब 10 दिनों के अंतराल के बाद रविवार को निरीक्षण के लिए टंकी की छत पर चढ़े थे। जैसे ही वे ऊपर पहुंचे, उन्हें वहां एक शव पड़ा दिखाई दिया। शव से अत्यधिक दुर्गंध आ रही थी और वह बुरी तरह सड़

चुका था। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव की स्थिति को देखते हुए उसे नीचे उतारना एक बड़ी चुनौती थी। अंततः नगर पालिका कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों की मदद से रस्सियों के सहारे शव को नीचे लाया गया। पुलिस ने तत्काल मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि युवक टंकी की छत तक कैसे पहुंचा और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस आसपास के थानों में गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाल रही है। थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान ने बताया कि शव काफी पुराना होने के कारण पहचान में कठिनाई आ रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

शहडोल-उमरिया मार्ग का निर्माण जारी, जनता बेहाल

शहडोल/उमरिया। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के शहडोल से उमरिया को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग पिछले कई वर्षों से निर्माणाधीन है, लेकिन अब तक पूरा नहीं हो सका। लगातार देरी के कारण आम जनता, यात्री और स्थानीय व्यापारी भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। इस सड़क का निर्माण कार्य लंबे समय पहले शुरू हुआ था, लेकिन धीमी गति, लापरवाही और प्रशासनिक अनदेखी के चलते यह आज भी अधूरा पड़ा है। जगह-जगह गड्ढे, उखड़ी हुई सड़क और अधूरे पुल-पुलिया दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के समय हालात और भी खराब हो जाते हैं। कीचड़ और जलभराव के कारण आवागमन लगभग ठप हो जाता है। स्कूली बच्चों, मरीजों और रोज़मर्रा के यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। व्यापारियों का आरोप है कि खराब सड़क के कारण परिवहन प्रभावित हो रहा है, जिससे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। वहीं, कई बार शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभाग कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा।

मेट्रो एंकर

बहेरिया में रुद्र महायज्ञ का पंचम दिवस-अरुणि मंथन से अग्नि प्रकट, आज से हवन आरंभ

मंत्रों के उच्चारण के साथ दी जाने वाली आहुतियां वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं-यज्ञाचार्य पं. गोपाल शास्त्री

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जनपद क्षेत्र के बहेरिया ग्राम में आयोजित भव्य रुद्र महायज्ञ के पंचम दिवस का शुभारंभ अत्यंत श्रद्धा और वैदिक विधि-विधान के साथ हुआ। आज के विशेष अनुष्ठान में अरुणि मंथन के माध्यम से पवित्र अग्नि का प्राकट्य किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार और आचार्यों के निर्देशन में सम्पन्न इस प्रक्रिया ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

यज्ञाचार्य पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया कि अरुणि मंथन द्वारा उत्पन्न अग्नि को अत्यंत पवित्र और दिव्य माना जाता है, क्योंकि यह परंपरागत विधि से उत्पन्न होकर यज्ञ की शुद्धता और प्रभाव को कई गुना बढ़ाती है। अग्नि प्राकट्य के साथ ही आज से विधिवत हवन अनुष्ठान का शुभारंभ हो गया, जिसमें श्रद्धालु आहुतियां देकर अपने जीवन में और देश क्षेत्र में सुख-शांति और समृद्धि की कामना कर रहे हैं। यज्ञाचार्य पंडित गोपाल शास्त्री ने हवन के वैदिक और वैज्ञानिक महत्व पर प्रभावशाली उद्बोधन दिया। उनके ज्ञानपूर्ण विचारों

ने श्रद्धालुओं को न केवल धर्म की गहराई से परिचित कराया, बल्कि विज्ञान के दृष्टिकोण से भी हवन की उपयोगिता को समझाया।

यज्ञाचार्य ने कहा कि वेदों में हवन को सृष्टि के संतुलन और मानव कल्याण का मूल आधार बताया गया है। मंत्रों के उच्चारण के साथ दी जाने वाली आहुतियां वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं, जिससे व्यक्ति, समाज और प्रकृति तीनों को लाभ मिलता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हवन केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि यह एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जो वायु शुद्धिकरण और स्वास्थ्य संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।उन्होंने विस्तार से बताया कि हवन में प्रयुक्त घी, औषधीय जड़ी-बूटियां और समिधाएं जब अग्नि में समर्पित होती हैं, तो उनसे निकलने वाली सूक्ष्म ऊर्जा और सुगंधित तत्व वातावरण में फैलकर हानिकारक जीवाणुओं को नष्ट करने में सहायक होते हैं। इससे न केवल पर्यावरण शुद्ध होता है, बल्कि मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है। पूरे यज्ञ स्थल पर भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। श्रद्धालु भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। 11 दिवसीय रुद्र महायज्ञ में प्रतिदिन सुबह आवाहित देवी देवताओं का पूजन और फिर रुद्राभिषेक शाम को राम कथा और रात्रि में रामलीला का मंचन कार्यक्रम को और भी आनंदित कर रहा है आयोजन प्रेरक नागा बाबा जालंधर भारती यज्ञ में वर्णित आचार्य मनेंद्र तिवारी,रोहित द्विवेदी,रत्नेश पाठक सहित सभी विप्र बंधुओं ने शाम को भब्भ आरती की जिसमें सभी याज्ञिक यजमान उपस्थित रहे।

गड्ढों से भरी सड़क, हादसों का खतरा बढ़ा

अनूपपुर में टोल वसूली पर सवाल-टूटी सड़कें, सुविधाओं का अभाव, जनता में आक्रोश

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में टोल टैक्स वसूली को लेकर जनता में नाराज़गी लगातार बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि जब सड़क की हालत ही खराब है और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, तो आखिर टोल किस बात का लिया जा रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार कनेक्टिंग रोड पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। वहीं नेशनल हाईवे की स्थिति भी चिंताजनक है सड़क पर जगह-जगह दरारें हैं और कई स्थानों पर मवेशियों के मरने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है। टोल प्लाजा पर मिलने वाली सुविधाओं को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। वाहन चालकों का आरोप है कि गाड़ी खराब होने पर कोई मिस्त्री उपलब्ध नहीं होता, दुर्घटना की स्थिति में न तो एम्बुलेंस समय पर मिलती है और न ही टोइंग वाहन, टॉयलेट की स्थिति बेहद खराब है, न साफ-सफाई है और न ही पानी की व्यवस्था, यात्रियों के लिए रेस्ट रूम जैसी कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन, विशेष रूप से कलेक्टर अनूपपुर से मांग की है कि या तो सड़क और सुविधाओं में तत्काल सुधार किया जाए, या फिर टोल वसूली पर रोक लगाई जाए।

चोट के बावजूद हौसला बरकरार

अल्काराज के समर्थन में उतरे नडाल और सिनर, जल्द वापसी का दिलाया भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी

स्पेन के युवा टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज के लिए 2026 का सीजन अचानक मुश्किल मोड़ पर आ गया है। कलाई की चोट के चलते उन्होंने प्रतिष्ठित फ्रेंच ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। हालांकि इस कठिन समय में उन्हें टेनिस जगत के दिग्गजों का भरपूर समर्थन मिल रहा है, जिसने उनके मनोबल को नई ऊर्जा दी है।

पूर्व विश्व नंबर एक और स्पेन के महान खिलाड़ी राफेल नडाल ने सोशल मीडिया के जरिए अल्काराज का हौसला बढ़ाया। नडाल ने लिखा कि मुश्किल समय ही किसी खिलाड़ी की असली ताकत को सामने लाता है और उन्हें पूरा भरोसा है कि अल्काराज जल्द ही पहले से ज्यादा मजबूत होकर वापसी करेंगे। वहीं, मौजूदा विश्व नंबर एक जानिक सिनर ने भी अल्काराज के समर्थन में बयान दिया। उन्होंने कहा कि टेनिस को अल्काराज जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की जरूरत है, क्योंकि उनकी मौजूदगी से खेल और अधिक रोमांचक बनता है।

चोट ने रोका शानदार सफर

अल्काराज को यह चोट बार्सिलोना में खेले गए एक ATP 500 Barcelona Open के पहले दौर के मुकाबले के दौरान लगी थी। शुरुआती जांच के बाद मेडिकल टीम ने उन्हें आराम करने की सलाह दी, जिसके चलते उन्होंने बड़े टूर्नामेंट्स से दूरी बनाने का फैसला किया। इस फैसले के साथ यह भी साफ हो गया कि अल्काराज 2021 के बाद पहली बार पेरिस में होने वाले फ्रेंच ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे, जो उनके फैंस के लिए निराशाजनक खबर है।

जल्द होगी वापसी

अल्काराज ने अपने फैंस को आश्वस्त करते हुए कहा कि मेडिकल टेस्ट के बाद टीम ने आराम को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। उन्होंने स्वीकार किया कि यह उनके करियर का कठिन दौर है, लेकिन उन्हें पूरा विश्वास है कि वह जल्द ही कोर्ट पर वापसी करेंगे।

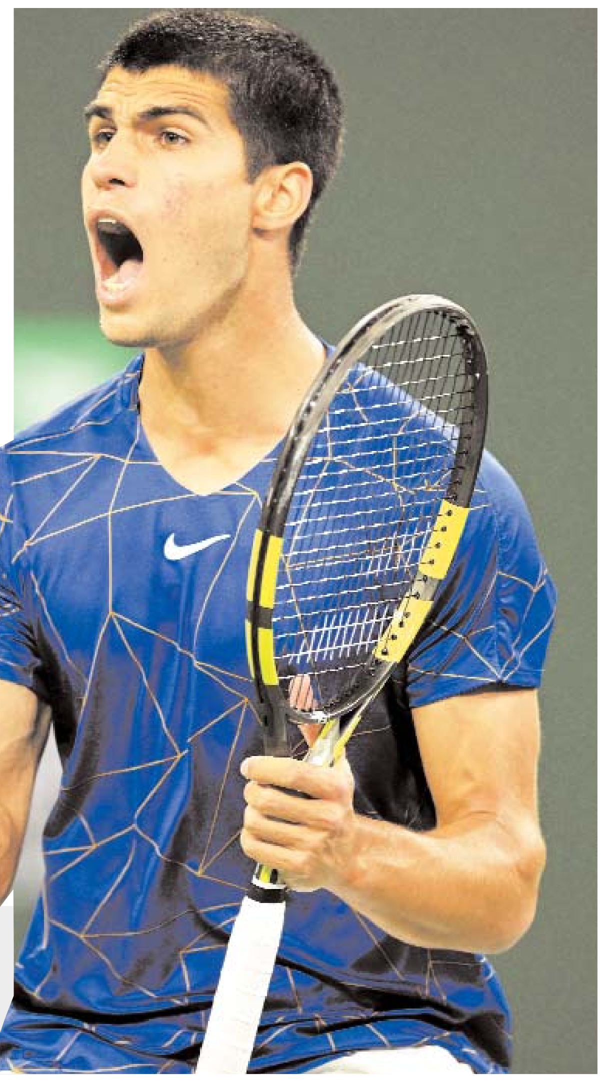

रैंकिंग पर पड़ सकता है असर

गौरतलब है कि अल्काराज हाल ही में शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने इस साल की शुरुआत में Australian Open जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था। लेकिन चोट के कारण वह रोम और फ्रेंच ओपन जैसे बड़े टूर्नामेंट्स में अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाएंगे, जिससे उनकी रैंकिंग पर असर पड़ सकता है। इस कठिन समय में नडाल और सिनर जैसे दिग्गजों का समर्थन यह साबित करता है कि खेल भावना और एकजुटता ही टेनिस की असली पहचान है।

जल्द बड़ी पारी खेलने की उम्मीद जताई

रियान की फॉर्म से चिंतित नहीं बल्लेबाजी कोच विक्रम

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि कप्तान रियान पराग का आईपीएल के वर्तमान सत्र में पहले आठ मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन चिंता का विषय नहीं है और उम्मीद जताई कि वह जल्द ही बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहेंगे। भारतीय टीम के नियमित खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल की मौजूदगी के बावजूद राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी के लिए रियान का चयन चर्चा का विषय रहा है। उन्होंने आठ मैचों में 112.82 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 88 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 20 है।

राठौड़ बोले- रियान की बल्लेबाजी में कोई खामी नहीं - राठौड़ ने कहा, रियान की बल्लेबाजी में कोई खामी नहीं है। वह अभ्यास के दौरान अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं। कभी-कभी खेल में ऐसा ही होता है। कभी-कभी आप ऐसे दौर से गुजरते हैं जहां आप उतने रन नहीं बना पाते जितने बनाना चाहते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यह खेल का हिस्सा है। वह वापसी करेंगे और मजबूत वापसी करेंगे। मुझे पूरा यकीन है। हम उनकी बल्लेबाजी को लेकर चर्चा कर रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी (234 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 357 रन), यशस्वी जायसवाल (153 के स्ट्राइक रेट से 255 रन) और ध्रुव जुरेल (130 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 232 रन) के शानदार प्रदर्शन के सामने रियान का प्रदर्शन फीका पड़ जाता है। वह रवींद्र जडेजा (132) और डोनोवन फरेरा (130) से भी पीछे हैं।

आईपीएल 2026: रोमांच की सारी हदें पार!

सुपरओवर में केकेआर ने जीता मैच, लखनऊ अंक तालिका में आखिरी पायदान पर पहुंची

लखनऊ, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने रविवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ सुपरओवर में शानदार जीत दर्ज की। रविवार को इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में रोमांच चरम पर रहा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर ने रिंकू सिंह की नाबाद अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 155 रन बनाए। जवाब में लखनऊ की टीम ने भी निर्धारित ओवरों में आठ विकेट खोकर 155 रन बनाए और मुकाबला सुपरओवर में पहुंच गया।

लगातार पांच मैचों में हार के बाद लखनऊ की टीम आईपीएल 2026 की अंक तालिका में आखिरी स्थान पर पहुंच गई है, जबकि केकेआर ने आठवां स्थान हासिल कर लिया। इस टूर्नामेंट में आठ में से छह मुकाबले गंवा चुकी लखनऊ के खाते में सिर्फ चार अंक हैं और नेट रन रेट -1.106 हो गया है। वहीं, केकेआर आठ में दो मैच जीतकर और एक मुकाबला रद्द होने के कारण पांच अंक खाते में जोड़े है। हालांकि, उनका नेट रन रेट -0.751 है।

आईपीएल 2026: अंक तालिका का हाल

टीम	मैच	जीते	हारे	टाई	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
पंजाब किंग्स	7	6	0	0	1	13	+1.333
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	7	5	2	0	0	10	+1.101
सनराइजर्स हैदराबाद	8	5	3	0	0	10	+0.815
राजस्थान रॉयल्स	8	5	3	0	0	10	+0.602
गुजरात टाइटंस	8	4	4	0	0	8	-0.475
चेन्नई सुपर किंग्स	8	3	5	0	0	6	-0.121
दिल्ली कैपिटल्स	7	3	4	0	0	6	-0.184
कोलकाता नाइट राइडर्स	8	2	5	0	1	5	-0.751
मुंबई इंडियंस	7	2	5	0	0	4	-0.736
लखनऊ सुपर जाएंट्स	8	2	6	0	0	4	-1.106

सुपरओवर का रोमांच

- लखनऊ की तरफ से बल्लेबाजी के लिए निकोलस पूरन और एडेन मार्करम आए। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने गेंदबाजी का जिम्मा सुनील नरेन को सौंपा।
- पहली गेंद पर पूरन बोल्ड हुए। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए ऋषभ पंत आए।
- पंत ने एक रन चुराया। अब स्ट्राइक पर मार्करम आए।
- मार्करम तीसरी गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में रिंकू सिंह को कैच थमा बैठे।
- इस तरह सुपरओवर में लखनऊ के बल्लेबाज सिर्फ एक रन बना पाए और केकेआर को दो रन का लक्ष्य मिला।
- इसके बाद कोलकाता की तरफ से सुपरओवर में बल्लेबाजी के लिए रिंकू सिंह और रोवमन पॉवेल आए। कप्तान ऋषभ पंत ने प्रिंस यादव को गेंद थमाई।
- पहली ही गेंद पर रिंकू सिंह ने शानदार चौका लगाकर केकेआर को जीत दिलाई।

लीग चरण में आधे से ज्यादा मैच हुए पूरे,

अंक तालिका में पंजाब किंग्स का दबदबा, कोहली से छिनी ऑरेंज कैप

कोलकाता, एजेंसी

आईपीएल 2026 में कुल 70 लीग चरण के मुकाबले खेले जाने हैं और अब तक मौजूदा सीजन में 36 मैच पूरे हो गए हैं। सभी 10 टीमों ने आधा सफर तय कर लिया है। पहले चरण में पंजाब किंग्स का दबदबा देखने को मिला क्योंकि इस टीम ने अभी तक एक भी मैच नहीं गंवाया है और वह शीर्ष पर बनी हुई है। अब यहां से आईपीएल का मौजूदा सीजन रोमांचक हो जाएगा क्योंकि अब प्लेऑफ की दौड़ बेहद कठिन होगी। यहां से जो भी टीम मैच हारेगी, उसके लिए आगे का सफर मुश्किल होता चला जाएगा।

आईपीएल 2026 में शनिवार को दो मैच खेले गए। पहले मैच में पंजाब किंग्स ने रिकॉर्ड 265 रन का लक्ष्य हासिल किया, तो दूसरे मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने 229 रन का लक्ष्य हासिल किया। आइए देखते हैं कि राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के मैच के बाद अंक तालिका में कौन सी टीम किस स्थान पर है और ऑरेंज और पर्पल कैप फिलहाल किस खिलाड़ी के पास है...

पंजाब शीर्ष पर बरकरार

अंक तालिका में पंजाब किंग्स ने अपना दबदबा बरकरार रखा है। पंजाब सात मैचों से 13 अंक लेकर पहले स्थान पर है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) सात मैचों से 10 अंक लेकर दूसरे, सनराइजर्स हैदराबाद आठ मैचों से 10 अंक लेकर तीसरे और राजस्थान रॉयल्स आठ मैचों से 10 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। चेन्नई सुपर किंग्स सात मैचों से छह अंक लेकर पांचवें, दिल्ली कैपिटल्स सात मैचों से 6 अंक लेकर छठे, गुजरात टाइटंस सात मैचों से छह अंक लेकर सातवें, मुंबई इंडियंस सात मैचों से चार अंक लेकर आठवें, लखनऊ सुपर जाएंट्स सात मैचों से चार अंक लेकर नौवें, और कोलकाता नाइट राइडर्स सात मैचों से तीन अंक लेकर 10वें स्थान पर है।

ऑरेंज-पर्पल की दौड़ में कौन आगे?

ऑरेंज कैप सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पास है। अभिषेक ने राजस्थान के खिलाफ 29 गेंदों पर 57 रन की पारी खेलकर इसे हासिल किया। अभिषेक के आठ मैचों की आठ पारियों में 380 रन हो गए हैं। इसमें 36 चौके और 28 छक्के शामिल हैं। केएल राहुल सात मैचों की सात पारियों में 357 रन बनाकर दूसरे और वैभव सूर्यवंशी आठ मैचों में 357 रन बनाकर तीसरे स्थान पर हैं। मालूम हो कि शनिवार को केएल राहुल और वैभव दोनों ने शतक लगाया था, लेकिन दोनों की टीमों को हार का सामना करना पड़ा।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

डायरेक्टर ने एक्ट्रेस को गलत तरीके से छुआ, रखी शर्त

मुझे तुम्हारी बॉडी पसंद है

बोल्ड और बिंदास एक्ट्रेस नेहल वडोलिया ने इंडस्ट्री को लेकर कई राज खोले हैं. एक्ट्रेस ने बताया कि सेट पर डायरेक्टर ने उन्हें गलत तरीके से छूने की कोशिश की थी. हिंदी रश संग बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया- एक डायरेक्टर था, उसने मेरे साथ काफी अजीब बर्ताव किया था. इंटीमेसी कॉर्डिनेटर के तौर पर सेट पर मेरा पहला दिन था. सबकुछ काम होने के बाद जब सब चले गए तो डायरेक्टर और मैं अकेले थे. उसने मुझसे पूछा- आपने भी कुछ किया है काम. आपने भी क्या कोई एक्ट किया है? %उन्हें पता नहीं था कि मैं इंटीमेसी कॉर्डिनेटर होने के साथ एक एक्टर भी हूं. तो उन्होंने मुझसे कहा अपना इंस्टाग्राम दिखाओ. मैंने जैसे ही अपना इंस्टाग्राम हैंडल दिखाया तो उन्होंने पूछा- क्या तुम्हारा कोई बॉयफ्रेंड है? मैंने उन्हें बोला कि सर नहीं है मेरा बॉयफ्रेंड. उन्होंने मुझसे कहा- हम कुछ ट्राई कर सकते हैं. मुझे तुम्हारी बॉडी पसंद है. उन्होंने फिर मुझे साइड हग किया और फिर साइड हग करते-करते वो डायरेक्टर बोलते हैं- मैं तुम्हारा बॉयफ्रेंड तो नहीं बन सकता हूं, लेकिन मैंने तुम्हें फील कर लिया. एक्ट्रेस के इस खुलासे ने फैंस को हैरान कर दिया है. इसके अलावा नेहल ने ये भी बताया कि फिल्मों और सीरीज में किस तरह बोल्ड इंटीमेट सीन्स शूट होते हैं. एक्ट्रेस ने बताया कि हर चैनल की अपनी अलग लिमिटेशन्स होती हैं कि कितनी न्यूडिटी दिखानी है.

इंटीमेसी कॉर्डिनेटर भी हैं नेहल

अगर लड़की बिकिनी में है तो वो स्विमिंग एरिया के पास ही होनी चाहिए. अगर लड़की बेड पर इंटीमेट सीन्स दे रही है तो उसका बॉटम वियर में नहीं दिखाया जाता. नेहल वडोलिया की बात करें तो वो एक्ट्रेस होने के साथ इंटीमेसी कॉर्डिनेटर भी बन गई हैं. उन्होंने बताया कि इंटीमेसी कॉर्डिनेटर 50 हजार से 1 लाख तक कमा सकते हैं.

जेन जी की तरह बात मत करो, सिचुएशनशिप विवाद पर रकुल ने लगाई पति को फटकार

सोशल मीडिया के दौर में कई बार किसी इंटरव्यू की एक छोटी-सी बात भी इतनी तेजी से फैल जाती है कि उसका असली मतलब कहीं पीछे छूट जाता है। कुछ ऐसा ही हुआ निर्माता और अभिनेता जैकी भगनानी और अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के साथ।

हाल ही में जैकी ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर ऐसा बयान दे दिया, जिसने इंटरनेट पर हलचल मचा दी। उन्होंने अपने रिश्ते को सिचुएशनशिप कह दिया, जिसके बाद लोग उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। मामला बढ़ता देख अब रकुल और जैकी दोनों ने इस पूरे विवाद पर मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी है। दरअसल, हाल ही में एक बातचीत के दौरान जैकी भगनानी ने कहा था, रकुल और मैं शादीशुदा जरूर हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। भगवान ने हमें एक-दूसरे के लिए बनाया है, इसलिए शादी हुई है। मैं रकुल से हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के सामने मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड फोन करती है, तो मैं फोन स्पीकर पर डाल देता हूं। अपने शादीशुदा रिश्ते को सिचुएशनशिप का नाम देने पर जैकी लोगों के निशाने पर आ गए। अब इस पूरे मामले पर

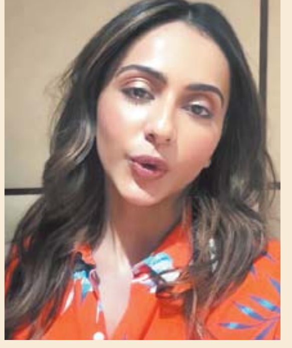

प्रतिक्रिया देते हुए रकुल प्रीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर मजेदार वीडियो शेयर किया। वीडियो में रकुल, जैकी को डांटती दिखाई दे रही हैं। वह कहती हैं, मैंने तुमसे कितनी बार कहा है कि हम मिलेनियल्स हैं, जेन जी की तरह अजीब शब्दों का इस्तेमाल मत करो।

इस दौरान रकुल के चेहरे के हावभाव और बोलने का तरीका इतना मजेदार था कि यह वीडियो देखते ही देखते लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया।

मेट्रो बाजार

भारत के साथ रिश्ते मजबूत करना चाहता है ताइवान, रिपोर्ट में दावा- व्यापार से दोनों देशों को फायदा

नई दिल्ली। ताइवान भारत के लिए मैन्युफैक्चरिंग, टेक्नोलॉजी और कृषि क्षेत्र में एक मजबूत रणनीतिक साझेदार बन सकता है। ताइवान न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि ताइवान के विशाल विदेशी मुद्रा भंडार, हार्डवेयर निर्माण क्षमता, इलेक्ट्रॉनिक्स, खनन खोज और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में अनुभव का लाभ भारत अपनी प्रमुख योजनाओं मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया के तहत उठा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत और ताइवान की क्षमताएं एक-दूसरे की पूरक हैं। भारत जहां सॉफ्टवेयर, आईटी सेवाओं और कुशल मानव संसाधन में मजबूत है, वहीं ताइवान हार्डवेयर, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और उच्च स्तरीय विनिर्माण में अग्रणी है। ऐसे में दोनों देशों के बीच सहयोग से आर्थिक रिश्तों को नई दिशा मिल सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का विशाल उपभोक्ता बाजार ताइवान के लिए बड़ा अवसर बन सकता है। इससे ताइवान को चीन पर अपनी आर्थिक निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है, खासकर ऐसे समय में जब चीन के साथ तनाव लगातार बढ़ रहा है।

ताइवान की आधुनिक कृषि तकनीक भारत के कृषि क्षेत्र के लिए भी उपयोगी साबित हो सकती है। स्मार्ट फार्मिंग, बेहतर बीज तकनीक, खाद्य प्रसंस्करण और सप्लाई चेन मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में सहयोग से भारतीय किसानों की आय और उत्पादकता दोनों बढ़ सकती हैं।

व्यापार घाटे को कम करने योजना; चीन से निर्यात बढ़ाने के साथ आयात निर्भरता घटाने की रणनीति

नई दिल्ली। भारत चीन को निर्यात बढ़ाने और आयात निर्भरता कम करने के लिए एक विविध रणनीति अपना रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घरेलू क्षमताओं को मजबूत किया जा रहा है। आपूर्तिकर्ता आधार का विविधीकरण भी किया जा रहा है। अधिकारी के अनुसार, चीन से पूरी तरह से अलग होना मुश्किल है। चीनी इनपुट भारत के औद्योगिक विकास का आधार हैं। भारत मुख्य रूप से कच्चा माल, मध्यवर्ती और पूंजीगत वस्तुएं आयात करता है। इनमें ऑटो पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे और मोबाइल फोन घटक शामिल हैं। मशीनरी और सक्रिय दवा सामग्री भी आयात की जाती है। इनका उपयोग तैयार माल के उत्पादन और घरेलू विनिर्माण में होता है। 2025-26 में भारत का चीन को निर्यात 37 फीसदी बढ़कर 19.47 अरब डॉलर हो गया। यह 2024-25 में 14.25 अरब डॉलर था। चीन से आयात 16 फीसदी बढ़कर 131.63 अरब डॉलर हो गया। व्यापार घाटा 2025-26 में 112.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

पिछले वित्तीय वर्ष में प्रिंटेड सर्किट बोर्ड और बिजली के उपकरणों के निर्यात में वृद्धि हुई। टेलीफोन सिस्टम, झींगा और एल्यूमीनियम सिल्लियां भी प्रमुख निर्यात वस्तुएं थीं। हालांकि, चीन के आयात में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए निर्यात बास्केट को व्यापक करना आवश्यक है। इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल मशीनरी और फार्मास्यूटिकल्स सामग्री के आयात में वृद्धि हुई है। ऑटो पार्ट्स, दूरसंचार उपकरण और औद्योगिक मशीनरी का आयात भी बढ़ा है। सरकार घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय कर रही है। उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह योजना घरेलू कारोबारों को मूल्य श्रृंखला बनाने में मदद कर रही है।

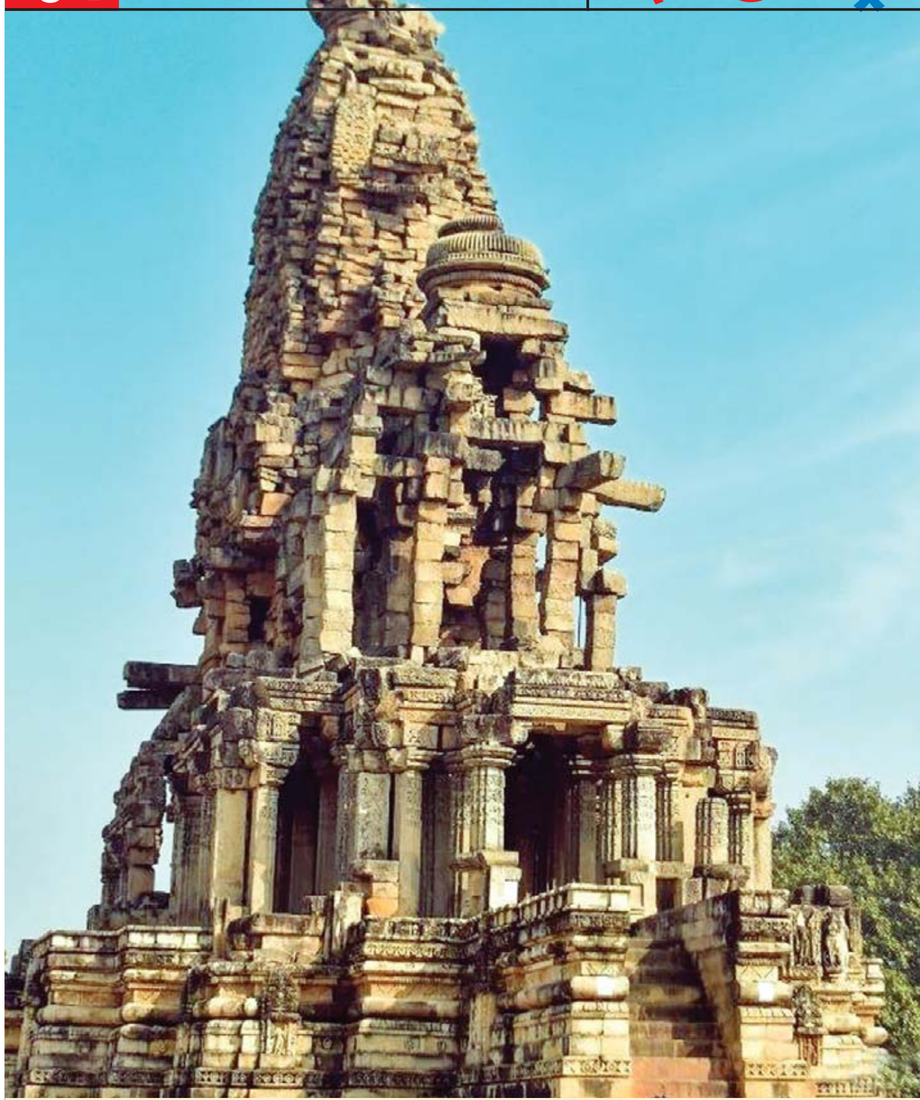

अबूझ पहेली... ड्राई स्टोन लॉकिंग तकनीक से बना 1000 साल पुराना ककनमठ

मुरैना। जिले का ककनमठ मंदिर सिर्फ एक प्राचीन शिव मंदिर नहीं, बल्कि इंजीनियरिंग का ऐसा पहेली भरा नमूना है, जिसे आज भी पूरी तरह समझा नहीं जा सका है। अक्सर कहा जाता है कि मंदिर बिना गारे के बना है, लेकिन असली बात यह है कि इसमें पत्थरों को इंटरलॉकिंग तकनीक से इस तरह फिट किया गया है कि वे खुद ही एक-दूसरे को पकड़कर खड़े रहते हैं। यह तकनीक आज के 'ड्राई स्टोन कंस्ट्रक्शन' से मिलती-जुलती है, जो भूकंप रोधी मानी जाती है। इसका निर्माणकाल इतिहासकार डॉ. हरिहर प्रसाद द्विवेदी के अनुसार लगभग 1016 से 1025 ईस्वी के बीच माना जाता है। गर्भगृह और शिखर का ऊपरी हिस्सा क्षतिग्रस्त है। मंदिर कभी पूरा ही नहीं हुआ। आसपास बिखरे पत्थर बताते हैं कि निर्माण बीच में रुक गया था। लोककथाओं के अनुसार कच्छपघात वंश के राजा की रानी काकनावती के नाम पर 'ककनमठ' पड़ा। हालांकि इस पर ठोस शिलालेख प्रमाण सीमित हैं। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने इसे संरक्षित स्मारक घोषित किया है।

■ उत्तर और मध्य भारत के 6 राज्यों में पड़ रही है झुलसाने वाली गर्मी

■ मप्र, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और उत्तर पूर्वी राज्यों में बारिश भी हुई

3 दिन तक जारी रहेगा गर्मी का कहर राहत लेकर आएगा मई का महीना

नई दिल्ली, भोपाल एजेंसी

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अगले तीन दिन तक उत्तर पश्चिम भारत और मध्य भारत में हीटवेव का कहर जारी रहेगा। इसके बाद लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। वहीं, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और उत्तर पूर्वी राज्यों में जारी बारिश का प्रभाव लगभग एक सप्ताह तक जारी रह सकता है। गरज के साथ बिजली और तेज हवा का प्रभाव पूरे भारत में आने वाले एक सप्ताह तक देखने को मिलेगा। उत्तर पश्चिम भारत में 28 अप्रैल से 2 मई तक, मध्य भारत में 30 अप्रैल तक, दक्षिण भारत में 28 से 30 अप्रैल तक तेज हवा का प्रभाव देखने को मिल सकता है।

आईएमडी के अनुसार 28 तारीख तक उत्तर पश्चिम भारत में दिन के तापमान में ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। इसके बाद 29 और 30 अप्रैल को तापमान 3-5 डिग्री तक गिर सकता है। वहीं, 30 अप्रैल के बाद दो मई तक इसमें 2 से 3ए तक बढ़ोतरी हो सकती है। देश के मध्य भाग में 27 अप्रैल तक तापमान में ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा, लेकिन गरज के साथ तेज हवा के चलते 28 से 30 अप्रैल के बीच में 2 से 3 डिग्री तक गिरावट देखने को मिलेगी। इसके बाद 28 अप्रैल से 1 मई के बीच 2 से 3डिग्री तक गिरावट देखने को मिल सकती है। उत्तर पूर्व भारत में 30 तारीख तक तापमान में 3 से 4डिग्री तक गिरावट हो सकती है। महाराष्ट्र में 1 मई तक पारा 2 से 3डिग्री तक कम गिर सकता है। गुजरात में 28 तारीख तक तापमान में ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। इसके बाद 29 अप्रैल से 2 मई के बीच 2 से 3 डिग्री तक गिरावट देखने को मिलेगी।

खजुराहो में तापमान 45 डिग्री पार: 9 शहरों में पारा 44 पर

मध्य प्रदेश में अप्रैल की गर्मी रिकॉर्ड तोड़ रही है। आंधी-बारिश के बीच भी तेज गर्मी पड़ी। खजुराहो में पहली बार तापमान 45 डिग्री पहुंच गया। 9 शहरों में पारा 44 डिग्री या उससे अधिक रहा। इंदौर में 6 साल और भोपाल-जबलपुर में 3 साल में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ी।सोमवार को 13 जिलों में लू का अलर्ट है। इनमें इंदौर, उज्जैन, रतलाम, धार, शाजापुर, देवास, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, मंडला, सिवनी, बालाघाट और छिंदवाड़ा शामिल हैं। इंदौर और उज्जैन में वॉर्म नाइट का अलर्ट भी है।इसके चलते इंदौर-उज्जैन में दिन-रात दोनों गर्म रहेंगे। श्योपुर, मुरैना, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में गरज-चमक और बारिश का अलर्ट है। भोपाल, जबलपुर समेत अन्य जिलों में तेज गर्मी पड़ेगी।

हीटवेव के साथ ही रात में भी लू का अलर्ट

हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में हीटवेव को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, पश्चिमी राजस्थान में भी हीटवेव के साथ ही रात में लू चल रही है। ऐसे में आईएमडी ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम, झारखंड में गरज के साथ बिजली, ओलावृष्टि और भारी बारिश की चेतावनी के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। भारी बारिश का प्रभाव अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय उसके साथ सिक्किम, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा में भी देखने को मिल सकता है। गरज के साथ बिजली का प्रभाव उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक में देखने को मिल सकता है।

न्यूज विंडो

इस्राइल के पूर्व पीएम नेफ्ताली बेनेट और येर लैपिड की पार्टियों का विलय

तेल अवीव। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पहले ही ईरान युद्ध के चलते लोगों की आलोचना झेल रहे हैं। अब नेतन्याहू की परेशानी ओर बढ़ने वाली है। दरअसल इस्राइल के पूर्व पीएम नेफ्ताली बेनेट और येर लैपिड की राजनीतिक पार्टियों का विलय हो गया है। दोनों ने मिलकर 'न्यू टुगेदर' नाम से नई पार्टी बनाई है, जिसका नेतृत्व नेफ्ताली बेनेट करेंगे।यरूशलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने अपनी-अपनी पार्टियों येस एटिड और बेनेट 2026 के विलय का एलान किया। इस्राइल में आगामी अक्तूबर तक आम चुनाव होने हैं। ऐसे में न्यू टुगेदर के बैनर तले ही दोनों पार्टियों के नेता चुनाव लड़ेंगे। इस विलय से विपक्षी गुट को मजबूती मिलने की उम्मीद है और इससे इस्राइल के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव की उम्मीद की जा रही है।

बिहार : कार ने टैंपो को मारी टक्कर, 3 की मौत, 5 लोग घायल

दिघवारा/गड़खा। सारण जिले के दिघवारा थाना क्षेत्र में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं।सैदपुर गांव के समीप टेंपो और तेज रफ्तार स्कार्पियो की टक्कर में एक महिला समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मृतक के गांव में शोक का माहौल है।बताया जाता है कि सभी लोग दिघवारा के मानोपुर से शिव चर्चा कार्यक्रम में शामिल होकर टेंपो से अपने गांव गड़खा थाना क्षेत्र के झौवा बसंत लौट रहे थे।इसी दौरान सैदपुर के पास अचानक तेज रफ्तार और अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग चीख-पुकार मचाने लगे।

हापुड़ के पिलखुवा में कपड़ा फैक्ट्री और 70 झुग्गियों में लगी भीषण आग

हापुड़। पिलखुवा थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब मोदीनगर रोड स्थित एक कपड़ा फैक्ट्री के पास झुग्गी बस्ती में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब 70 झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया।सुबह करीब नौ बजे लगी इस आग ने पूरे इलाके को धुएं के गुबार में ढक दिया, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। झुग्गियों में प्लास्टिक, पॉलिथीन व कबाड़ जैसी ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई और पास स्थित गायत्री लाजिस्टिक ट्रांसपोर्ट, यूनाइटेड ट्रांसपोर्ट तथा एक जींस सिलाई फैक्ट्री तक पहुंच गई।गोदामों में रखा भारी मात्रा में माल भी आग की भेंट चढ़ गया। बताया गया कि एक गोदाम में करीब 800 और दूसरे में लगभग 250 गांठ माल रखा था, जो पूरी तरह जल गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई।

कांग्रेस नेता वडेट्टीवार का विवादित बयान

ट्रंप पर गोली चलना उनकी करनी का नतीजा, हिंदुस्तान में भी वही भावना

मुंबई। अमेरिका में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के डिनर में हुई गोलीबारी को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और विधायक विजय वडेट्टीवार ने विवादित बयान दिया है। डोनाल्ड ट्रंप को निशाने पर लेते हुए चंद्रपुर जिले की ब्रह्मपुरी से कांग्रेस विधायक वडेट्टीवार ने कहा कि जो जैसा करेगा वैसा भरेगा।वडेट्टीवार ने इशारों में केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि जैसा हमारे देश में चल रहा है, वैसा ही अमेरिका में चल रहा है। हिंदुस्तान के लोगों में भी वही भावना है। हिंदुस्तान में लोग सड़कों पर नहीं उतर रहे हैं। पूरा हिंदुस्तान बर्बादी के रास्ते पर चल रहा है।

ट्रंप ने हर कंट्री को डिस्टर्ब करने का काम किया-ट्रंप के कार्यक्रम के दौरान चली गोली की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए वडेट्टीवार ने कहा, 'जैसी करनी वैसी भरनी। जैसा करेगा, वैसा भरेगा। उसने जो सत्ता में होते हुए, सर्वोच्च पद पर होते हुए, उसने पूरे दुनिया को, वर्ल्ड को जिस तरह से उसने काबू करने के लिए, कब्जा करने के लिए हर कंट्री को डिस्टर्ब करने का काम किया। हर कंट्री पर वो अपना कंट्रोल करने का काम किया। उसकी जो भाषा है। और देश को भी उसने बर्बाद किया। इरान से कोई संबंध नहीं था। फिर भी उसने इजराइल को पकड़कर जो वार किया। उसमें वो तो होना ही था।'

आप छोड़ने पर चड्ढा का बड़ा खुलासा

माहौल हो गया था टॉक्सिक

चंडीगढ़। सांसद राघव चड्ढा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें उन्होंने कहा कि पॉलिटिक्स में आने से पहले मैं एक सीए था, मेरे सामने एक बेहतर करियर था, उसे छोड़कर मैं राजनीति में आया। अपना करियर को बनाने के लिए राजनीति में नहीं आया। एक पॉलिटिकल पार्टी का फाउंडिंग मेंबर बना, जिस पार्टी को मैंने अपने प्राइम यूथ के 15 साल दिए।

अपने खून-पसीने और बहुत मेहनत से इस पार्टी को सींचा, लेकिन आज ये पार्टी पुरानी वाली पार्टी नहीं रही। इस पार्टी में आज एक टॉक्सिक वर्क एनवायरमेंट है। आपको काम करने से रोका जाता है, पार्लियामेंट में बोलने से रोका जाता है और ये पार्टी आज चंद भ्रष्ट लोगों के हाथ में फंसकर रह गई है, जो अब देश के लिए नहीं, बल्कि अपने निजी फायदे के लिए काम कर रही है।

पिछले कुछ सालों से मैं यह महसूस कर रहा था कि शायद मैं एक गलत पार्टी में एक सही आदमी हूं। इसी के चलते मेरे सामने सिर्फ तीन विकल्प थे; पहला विकल्प कि मैं राजनीति ही छोड़ दूं। दूसरा विकल्प कि मैं इसी पार्टी में रहूं और चीजें ठीक करने की कोशिश करूं, जो कि हुआ नहीं।

असम सीएम की पत्नी से जुड़ा मामला

पवन खेड़ा ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, एजेंसी

असम सीएम की पत्नी से जुड़े मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका गुवाहाटी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी। ऐसे में अब पवन खेड़ा ने राहत पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। असम पुलिस ने खेड़ा के उन आरोपों के संबंध में मामला दर्ज किया था, जिनमें कहा गया था कि सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान शर्मा के पास कई पासपोर्ट और विदेशों में अघोषित संपत्तियां हैं।

दरअसल शुक्रवार को गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा की शिकायत पर पवन खेड़ा के खिलाफ दर्ज मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति पार्थिवज्योति सैकिया ने पारित किया, जिन्होंने मंगलवार को दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

उनकी याचिका खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि यह मामला जाली दस्तावेजों को रखने से संबंधित गंभीर आरोपों से जुड़ा है और यह भी कहा कि कांग्रेस नेता जांच से बचने की कोशिश कर रहे होंगे, इसलिए सच्चाई का पता लगाने के लिए हिरासत में पूछताछ करना आवश्यक है।

खेड़ा ने आरोप लगाया था कि हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट हैं और वह कई देशों में कारोबार करती हैं। उनके आरोपों पर भाजपा की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हुई और असम पुलिस ने हिमंता बिस्वा सरमा की शिकायत पर 6 अप्रैल को उनके खिलाफ मामला दर्ज किया।

सिक्किम दौरे पर पीएम मोदी: 50वीं वर्षगांठ समारोह में होंगे शामिल, 4 हजार करोड़ के कार्यों की सौगात

गंगटोक, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से दो दिवसीय सिक्किम दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह राज्य के गठन की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह के समापन कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। साथ ही 4,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे।

प्रधानमंत्री सोमवार दोपहर करीब 3 बजे गंगटोक पहुंचेंगे। अगले दिन 28 अप्रैल को वह गंगटोक स्थित ऑर्किडेरियम का दौरा करेंगे। इसे राज्य की समृद्ध जैव विविधता, दुर्लभ ऑर्किड प्रजातियों और पुष्प विरासत को दुनिया के सामने पेश करने के लिए आधुनिक ऑर्किड एक्सपीरियंस सेंटर के रूप में विकसित किया गया है।

इसके बाद सुबह करीब 10 बजे प्रधानमंत्री पलजोर स्टेडियम में आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां वह विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे और जनसभा को संबोधित भी करेंगे।

स्वास्थ्य क्षेत्र में पीएम मोदी यांगांग में 100 बेड वाले आयुर्वेद अस्पताल की आधारशिला रखेंगे, जबकि एनआईटी देवराली में 30 बेड के एकीकृत सोवा रिग्पा अस्पताल का उद्घाटन करेंगे।

शिक्षा क्षेत्र में वह यांगांग स्थित सिक्किम विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस उत्कृष्टता विश्वविद्यालयके प्रशासनिक भवन, हेलेन लेप्चा मेडिकल कॉलेज और डेंटम प्रोफेशनल कॉलेज का उद्घाटन करेंगे।

शिमला में मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के जश्न के बीच चली गोली, 2 बच्चों की मां की दर्दनाक मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रोहड़ू के कुलगांव क्षेत्र में ात एक धार्मिक प्रतिष्ठा अनुष्ठान के दौरान हंसी-खुशी का माहौल पल भर में मातम में बदल गया, जब लापरवाही भरी हवाई फायरिंग के दौरान एक महिला को गोली लग गई, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि कुलगांव में देवता शालू महाराज के नवनिर्मित मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में कुछ लोगों ने उत्साह और दिखावे में आकर फायरिंग कर दी। गोली जिगहा गांव की महिला को जा लगी। गोली लगने से महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं स्थानीय लोग भी इस हादसे से स्तब्ध हैं। खुशियों का यह अवसर कुछ ही पलों में गहरे दुख में बदल गया।

मेट्रो एंकर | वैज्ञानिकों का डार्क एनर्जी पर चौंकाने वाला दावा

सौरमंडल में छिपी हो सकती है रहस्यमयी पांचवीं शक्ति

वॉशिंगटन, एजेंसी

हमारे सौरमंडल में एक रहस्यमयी 'पांचवीं शक्ति' छिपी हो सकती है, जो अब तक सामान्य उपकरणों की पकड़ से बाहर रही है। प्रकृति में अभी तक चार मूलभूत बल माने जाते हैं गुरुत्वाकर्षण, विद्युतचुंबकीय बल, मजबूत नाभिकीय बल और कमजोर नाभिकीय बल। इनके अलावा यदि कोई अतिरिक्त बल है, तो उसे पांचवीं शक्ति कहा जाता है।

वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि यही शक्ति डार्क एनर्जी और ब्रह्मांड के तेज विस्तार जैसे रहस्यों को समझाने में मदद कर सकती है। दूरस्थ आकाशगंगाओं में इसके संकेत दिखाई देते हैं, जहां गुरुत्वाकर्षण का व्यवहार आइंस्टीन के सामान्य सापेक्षता सिद्धांत से अलग नजर आता है, लेकिन हमारे सौरमंडल में सब कुछ अब भी सामान्य भौतिकी के अनुसार चलता दिखता है। यही विरोधाभास अब वैज्ञानिकों के लिए सबसे बड़ी पहेली बन गया है। नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि इस छिपी हुई शक्ति का सुराग हमारे अपने सौरमंडल में भी मिल सकता है।यह अध्ययन नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के भौतिक विज्ञानी डॉ. स्लावा ट्यूरिशेव ने किया है। साइंस अलर्ट में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने यह समझाने की कोशिश की है कि डार्क एनर्जी और डार्क मैटर जैसी अवधारणाओं की स्थानीय स्तर पर जांच कैसे की जा सकती है और क्यों अब सौरमंडल में विशेष मिशनों की जरूरत पड़ सकती है।इस पूरी समस्या के केंद्र में वैज्ञानिकों द्वारा ग्रेट डिसकनेक्ट कहा जाने वाला विरोधाभास है। इसका अर्थ है कि भौतिकी के नियम अलग-अलग पैमानों पर अलग व्यवहार करते हुए दिखाई देते हैं। जहां पदार्थ बहुत कम है और गुरुत्वीय प्रभाव कमजोर है, वहां डार्क एनर्जी या बदले हुए गुरुत्वाकर्षण के संकेत अधिक स्पष्ट दिखते हैं। लेकिन जहां पदार्थ अधिक है, वहां ये प्रभाव गायब हो जाते हैं।

बेहतर उपकरणों से खुल सकता रहस्य

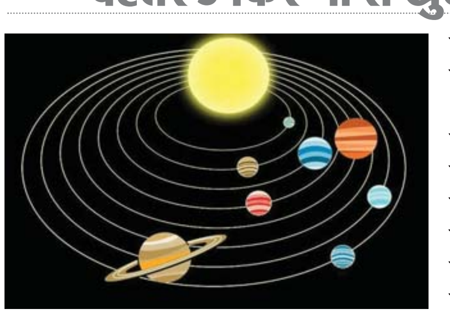

वैज्ञानिकों का मानना है कि इतनी सूक्ष्म शक्तियों को पकड़ने के लिए अभी और अधिक संवेदनशील उपकरण विकसित करने होंगे। फिलहाल चरणबद्ध प्रगति ही सबसे व्यावहारिक रास्ता है, जिसमें मापन क्षमता को लगातार बेहतर बनाया जाए।यदि बड़े ब्रह्मांडीय सर्वेक्षणों से कोई स्पष्ट और परीक्षण योग्य संकेत मिलता है और उसे सौरमंडल में जांचने के लिए व्यवहारिक मिशन तैयार किया जा सकता है, तो यह आधुनिक भौतिकी की सबसे बड़ी खोजों में से एक हो सकती है। ऐसी खोज गुरुत्वाकर्षण, डार्क एनर्जी और पूरे ब्रह्मांड की कार्यप्रणाली को समझने का तरीका बदल सकती है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564